बेटियां भारत का गौरव

दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ›› दिल्ली ›› गाजियाबाद ›› नोएडा ›› ग्रेटर नोएडा ›› हापुड़ ›› अमरोहा ›› बागपत ›› मेरठ ›› मुजफ्फर नगर ›› बिजनौर ›› मुरादाबाद ›› बुलंदशहर ›› अलीगढ़ ›› फरीदाबाद ›› गुड़गांव ›› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

दिल्ली
अधिकतम तापमान 30 डिग्री
न्युनतम तापमान 19 डिग्री

एनसीआर
अधिकतम तापमान 29 डिग्री
न्युनतम तापमान 18 डिग्री

सोमवार 03 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रात: 06 :34 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 35 बजे

पृष्ठ 4 घोषणा-पत्र लोकतंत्र का सशक्त हथियार या चुनावी छलावा?

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 17 | अंक : 017 | गाजियाबाद, सोमवार 03 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

भारत की बेटियां नई महिला विश्वकप चैंपियन

✷ वेबवार्ता/एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय टीम ने रविवार को फाइलन मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर एकदिवसीय महिला विश्वकप का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के पीछे शेफाली वर्मा (87 रन/ दो विकेट) और दीप्ति शर्मा (58 रन/ पांच विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन रहा। भारत की इस जीत के पीछे 47 साल का लंबा इंतजार रहा।

भारत ने 1978 में पहली बार महिला विश्व कप (ICC Women's World Cup 2025) में हिस्सा लिया था। 2005 व 2017 में मिताली राज की कप्तानी में भारत फाइनल तक पहुंचा, पर दोनों बार ट्राफी हाथ से फिसल गई। आखिरकार हरमनप्रीत की कप्तानी में टीम विश्वविजेता बन गई।

महिला टीम की यह पहली आइसीसी ट्राफी है। 1983 में कपिल देव और 2011 में महेंद्र सिंह धौनी की कप्तानी में पुरुष टीम ने वनडे विश्व कप जीता था। अब हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय बेटियों ने भी विश्व चैंपियन पर जीत दर्ज की।

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर जब दक्षिण अफ्रीका का अंतिम विकेट गिरा तो पूरे देश का जन, गण, मन एक साथ भारत मात की जय से गूंज उठा। इस जीत के साथ भारतीय महिला क्रिकेट ने वो मुकाम छू लिया, जहां अब वह दुनिया के शीर्ष पर खड़ी है।

299 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका को भारतीय गेंदबाजों ने 45.3 ओवर में 246 के स्कोर पर समेटकर 52 रनों से मुकाबला जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान लॉरा वुलफार्ट और तेजमिन बिट्स की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़े। ब्रिट्स (23) के रनआउट होने पर यह साझेदारी टूटी। इसके बाद भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते रहे,

हालांकि इस दौरान लॉरा वुलफार्ट एक छोर थामे रन बनाती रही।

सुने लुस (25) और मैरीजान कप्प (चार) और सिनोला जाफ्टा (16) रन बनाकर आउट हुई। एक समय दक्षिण अफ्रीका ने 148 के स्कोर पर अपने पांच विकेट गंवा दिये थे। ऐसे सकंट के समय एनरी डर्कसन ने लॉरा वुलफार्ट का साथ बखूबी निभाया और दोनों बल्लेबाजों ने तेजी के साथ रन जोड़े। दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी हुई।

40वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने एनरी डर्कसन (35) को बोल्ड कर इस साझेदारी का अंत किया। इसी ओवर में लॉरा वुलफार्ट ने अपना शतक पूर किया। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दीप्ति शर्मा को गेंद थमाई और उन्होंने 42वें ओवर की पहली गेंद पर वुलफार्ट का शिकार कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। वुलफार्ट ने 98 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का लगाते हुए 101 रनों की पारी खेली। इसी ओवर की चौथी गेंद पर दीप्ति ने क्लोई ट्राइऑन (नौ) को पगबाधा कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। 45वें ओवर की आखिरी गेंद पर श्री चारणी ने ए खाका (एक) को रनआउट कर पवेलियन भेज दिया। 46वें ओवर की तीसरी गेंद पर दीप्ति ने एन डी क्लर्क (18) को आउटकर भारतीय टीम को विश्वकप का नया चैंपियन बना दिया।

प्रधानमंत्री ने दी बेटियों को बधाई

पीएम मोदी ने कहा कि आईसीसी महिला वनडे विश्व कप फाइनल में भारतीय टीम की शानदार जीत। फाइनल में उनका प्रदर्शन अद्भुत कौशल व आत्मविश्वास से भरा रहा। टीम ने असाधारण टीम वर्क और दृढ़ता दिखाई। हमारी खिलाड़ियों को बधाई। ये ऐतिहासिक जीत भविष्य के चैंपियनों को प्रेरित करेगी।

विदेश में हो सकती है आईपीएल नीलामी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। आईपीएल नीलामी स्थल को लेकर सोच में बदलाव होता दिख रहा है, जिसके अब विदेश में आयोजित होने की संभावना है। हालांकि फ्रेंचाइजियों को अभी तक आधिकारिक तौर पर शहर के बारे में सूचित नहीं किया गया है, लेकिन उन्हें इसके बारे में संकेत जरूर दिए गए हैं। हमेशा की तरह, संभावित स्थल खाड़ी क्षेत्र में कहीं माना जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में अबू धाबी एक मजबूत संभावना है, लेकिन ओमान और कतर जैसे अन्य मध्य पूर्वी स्थानों पर भी विचार किया जा रहा है। यह घटनाक्रम पहले की योजना से बिल्कुल अलग है, जब ऐसा लग रहा था कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भारत में ही नीलामी आयोजित करने का इच्छुक है। हालांकि, अब एक आदर्श स्थान हासिल करने में चुनौतियाँ नजर आ रही हैं, क्योंकि निर्धारित समय देश में त्योहारों और शादियों के मौसम से टकरा रहा है।

इसरो 'एलवीएम3-एम5' के जरिये भारत के सबसे भारी संचार उपग्रह का करेगा प्रक्षेपण

✷ वेबवार्ता. श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश) ✷। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 4,000 किलोग्राम से अधिक वजनी संचार उपग्रह सीएमएस-03 को रविवार को प्रक्षेपित किया जाएगा और इसकी उल्टी गिनती जारी है। अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि 4,410 किलोग्राम वजन वाला यह उपग्रह भारत की धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी उपग्रह होगा। यह उपग्रह एलवीएम3-एम5 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसे इसकी भारी भारोत्तोलन क्षमता के लिए 'बाहुबली' नाम दिया गया है। इसरो के अधिकारियों ने रविवार को बताया कि इसरो का सीएमएस-03 उपग्रह इस अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किए जाने के लिए पूरी तरह तैयार है और उल्टी गिनती ''सुचारू रूप से जारी है।'' बेंगलुरु मुख्यालय वाली अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने शनिवार को बताया था कि प्रक्षेपण यान को पूरी तरह से तैयार करके अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दिया गया है तथा इसे प्रक्षेपण-पूर्व कार्यों के लिए यहां दूसरे प्रक्षेपण स्थल पर ले जाया गया है।

श्रद्धालुओं से भरी बस खड़े ट्रेलर में घुसी, 18 की मौत, कई घायल

✷ वेबवार्ता. जोधपुर ✷

राजस्थान के जोधपुर जिले के फलोदी इलाके में रविवार शाम एक सड़क हादसे में 18 यात्रियों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए।

घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना मतोड़ा थाना क्षेत्र की बताई गई है, जहां तेज रफ्तार टेंपो ट्रैवल्स और ट्रक में आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदश्त थी कि टेंपो ट्रैवल्स के परखच्चे उड़ गए।

जानकारी के अनुसार राहत और बचाव कार्य जारी है और मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। फिलहाल पुलिस ने सड़क को खाली करवाकर ट्रैफिक बहाल किया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के मुताबिक, बस जोधपुर के सूरसागर क्षेत्र से श्रद्धालुओं को लेकर बीकानेर जिले के कोलायत तीर्थ दर्शन के लिए गई थी। वापसी के दौरान मतोड़ा के पास सड़क पर खड़े एक ट्रेलर में बस जा घुसी। बस में सवार ज्यादातर यात्री दर्शन कर वापस अपने घर लौट रहे थे। अचानक हुए इस हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया।

हादसे में अब तक 18 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 3 से 4 यात्री घायल हैं। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं। घायल श्रद्धालुओं को तुरंत प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर के एसएमएस और एमडीएम अस्पताल भेजा गया है। प्रशासन ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए फलोदी अस्पताल भिजवाया है। मतोड़ा थाना अधिकारी ने बताया कि हादसा तब हुआ जब बस तेज रफ्तार में सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से जा टकराई। मौके पर पुलिस, स्थानीय प्रशासन और एम्बुलेंस टीमों ने पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। गैस कटर की मदद से बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया।

दुर्घटना ने पूरे जोधपुर और आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ा दी है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क पर खड़े भारी वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों को हर संभव सहायता देने के निर्देश दिए हैं।

फलोदी के मतोड़ा क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे की जानकारी मिलते ही सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी जयपुर से तुरंत जोधपुर के लिए रवाना हो गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर उन्होंने यह निर्णय लिया।

विधायक जोशी ने एमडीएम अस्पताल अधीक्षक विकास राजपुरोहित से फोन पर बात कर सभी घायलों को तुरंत और उच्चस्तरीय उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

डोनाल्ड ट्रंप से डरते हैं मोदी, अडाणी और अंबानी के हाथ में हैं उनका कंट्रोल : राहुल

✷ वेबवार्ता. बेगूसराय ✷

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र सिर्फ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड से नहीं डरते हैं, बल्कि वह उद्योगपति अडाणी और अंबानी के चंगुल में भी हैं।

श्री गांधी ने आज यहां चुनावी सभा में प्रधानमंत्री श्री मोदी पर हमला करते हुये कहा कि 56 इंच की छाती वाले श्री मोदी डरपोक है। उन्होंने कहा कि गांधी की छाती बड़ी नहीं थी, लेकिन वो किसी से डरते नहीं थे। श्री मोदी से ज्यादा दम इंदिरा गांधी में था। श्री मोदी ट्रम्प से डरते हैं। अमेरिकी के राष्ट्रपति ट्रंप ने कई बार बोला है कि उन्होंने नरेंद्र मोदी को डराकर ऑपरेशन सिंदूर बंद कराया है।

ट्रंप ने अलग-अलग देशों में जाकर श्री मोदी का अपमान किया है। ट्रंप कहते हैं कि उन्होंने मोदी को झुका दिया। इस बारे में श्री मोदी के मुंह से एक आवाज नहीं निकली। ट्रम्प हमारी सेना के बारे में बोल रहे हैं। हमारी वायुसेना के बारे में बोल रहा है।

श्री मोदी चुप हैं। ट्रम्प कहते है मैंने मोदी को फोन लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर रोको और फिर ऑपरेशन रुक गया। उन्होंने कहा कि वह श्री मोदी को चुनौती देते हैं कि वह बिहार आकर कहें कि ट्रम्प झूठ बोल रहे है।

बिहार में फिर एनडीए सरकार बनी तो एक करोड़ युवाओं को मिलेंगे रोजगार बिछेंगे उद्योगों के जाल : मोदी

✷ वेबवार्ता. नवादा ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अगर बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनती है तो एक करोड़ युवाओं को रोजगार मिलेंगे। उद्योग धंधों का जाल बिछाया जाएगा। वे रविवार को नवादा के कुंती नगर के मैदान में आयोजित एक माहती जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर उपस्थित सभी एनडीए प्रत्याशियों को जीताने का आह्वान करते हुए कहा कि कांग्रेस तथा राष्ट्रीय जनता दल फिर से बिहार को जंगल राज की स्थिति में धकेलना चाहते हैं।जिससे बिहारवासी सतर्क होकर एनडीए को वोट दें।

उन्होंने बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ श्री कृष्णा सिंह की जन्मस्थली नवादा बताते हुए कहा कि आज बिहार उनके विकास को नहीं भूल सकता।उन्होंने कहा कि कृषि एनडीए सरकार बनी तो बिहार में उद्योगों का जाल बिछाया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाकर एक ऐतिहासिक कार्य किया है। ऑपरेशन सिंदूर कर उन्होंने विरोधियों को घर में घुसकर मारा है। जिसका वादा हमने पहले भी किया था। मोदी पाल-पाल वादा निभाना जानता है।

उन्होंने कहा कि विकसित बिहार के संकल्पों को पूरा करने के लिए एक जुट होकर एनडीए को वोट दें। ताकि जंगल राज की स्थापना बिहार में नहीं हो सके। उन्होंने कहां की जंगल राज के समय बिहार में नरसंहारों का दौर चल रहा था।आम आदमी घर से निकलने में भी डरते थे। लेकिन एनडीए सरकार ने सुशासन की स्थापना की है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर, बाबू जगजीवन राम तथा सीताराम केसरी को अपमानित किया है।लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने अपने पुरखों को सदा सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 60 लाख परिवारों को पक्का मकान दिया गया है। सेनाओं को वन रैंक वन पेंशन के तहत पूर्व सैनिकों को एक लाख करोड रुपए दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लघु उद्योगों तथा कुटीर उद्योगों का भी जाल बिछाया जाएगा।

डिजिटल युग में पुस्तकालय ज्ञान के भरोसेमंद मार्गदर्शक : उपराष्ट्रपति

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि पुश्तकालय केवल किताबों का भंडार नहीं, बल्कि वे ज्ञान, चिंतन और सशक्तिकरण के मंदिर हैं।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने शनिवार को केरल में संगठित पुश्तकालय आंदोलन के 80 वर्ष पूरे होने पर त्रिवेंद्रम के कनकक्कुन्नू पैलेस में पीएन पनिक्कर फाउंडेशन की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'लाइब्रेरीज एम्पावरिंग कम्युनिटीज-ग्लोबल पर्सपेक्टिव्स' को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि इस फाउंडेशन ने पढ़ने की संस्कृति, डिजिटल साक्षरता और ज्ञान के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

फाउंडेशन का नारा "वायिचु वलरुका" (पढ़ो और आगे बढ़ो) आज भी समाज को ज्ञान और समावेशन की दिशा में प्रेरित करता है। राधाकृष्णन ने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही ज्ञान और शिक्षा की भूमि रहा है। आदि शंकराचार्य ने देशभर की यात्रा कर समाज में आध्यात्मिक चेतना और एकता का संदेश दिया था। भारत के अनेक ऋषि-मुनियों और विचारकों ने अपनी करुणा, विवेक और दूरदर्शिता से इस सभ्यता को समृद्ध बनाया है।

संक्षिप्त समाचार

ट्यूशन टीचर नाबालिग लड़कियों से करता था गंदी हरकत, पिता ने देख लिया और फिर...

ठाणे , एजेंसी। महाराष्ट्र में ठाणे की अदालत ने 2019 में तीन नाबालिग छात्राओं का यौन शोषण किए जाने के मामले में टीचर को 3 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा कि यह कृत्य निंदनीय है और ऐसे मामलों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की सुनवाई करने वालीं विशेष न्यायाधीश रूबी मालवंकर ने 35 वर्षीय आरोपी पर 15,000 रुपये जुर्माना भी लगाया। 31 अक्टूबर को पारित आदेश की प्रति रविवार को उपलब्ध कराई गई। पीड़िता के पिता ने 22 नवंबर 2019 को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर महाराष्ट्र में ठाणे जिले के दिवा निवासी शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। उस समय पीड़िता की उम्र 6 वर्ष थी और वह दूसरी कक्षा में पढ़ रही थी। शिकायत में कहा गया कि 22 नवंबर 2019 को उन्होंने निजी ट्यूशन सेंटर में टीचर को अपनी बेटी के साथ अश्लील कृत्य करते हुए देखा। बाद में दो अन्य लड़कियों ने भी आरोपी के खिलाफ ऐसे ही आरोप लगाए। अदालत ने पाया कि आरोपी ने तीनों लड़कियों का यौन उत्पीड़न किया था। जज ने पेशेवर प्रतिद्वंद्विता और झूठे मामले में फंसाए जाने की आरोपी की दलील खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि पीड़िता के बयान में कोई विरोधाभास नहीं है और इसे रटाया गया बयान नहीं माना जा सकता। फैसले में कहा गया, घटना के समय पीड़िता की उम्र बहुत कम थी। वह दूसरी कक्षा में पढ़ रही थी। इसलिए यह उम्मीद करना कि इतनी छोटी बच्ची को सबकुछ बिल्कुल ठीक याद हो और वह अदालत में उसे दोहरा सके, संभव नहीं है। फिर भी उसने आरोपी के कृत्य का मुख्य सार बताया है। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि उसे बयान देने के लिए कहा गया था। अदालत ने यह भी कहा कि पेशेवर दुश्मनी का कोई प्रमाण नहीं है। कोर्ट ने कहा, आरोपी ने एक शिक्षक के रूप में पूरी तरह अनुचित व्यवहार किया और पढ़ने आई छोटी बच्चियों के साथ अभद्र हरकत की। उसने अपने कृत्यों से बच्चियों के शरीर, मन और मस्तिष्क पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों के बारे में नहीं सोचा। ऐसे कृत्य निंदनीय होते हैं और इनके साबित होने पर कड़ी सजा दी जानी चाहिए। अदालत ने 15,000 रुपये का जुर्माना तीनों पीड़िताओं को समान रूप से मुआवजे के रूप में देने का निर्देश दिया।

गाजियाबाद में पुलिस चौकी के सामने मर्डर, बहन के प्रेमी ने भाई को बीच बाजार चाकू से गोद डाला

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के सिहानी गेट थाना क्षेत्र में शनिवार देर शाम पुराना बस अड्डा चौकी के सामने एक युवक की उसकी बहन के प्रेमी ने बीच बाजार चाकू से गोदकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए आरोपी को मौके पर ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। हत्या की जानकारी मिलते ही तुरंत घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। कार्यवाहक एसीपी नंदग्राम प्रियाश्री पाल के मुताबिक, मृतक की पहचान पीयूष उर्फ नितिन पुत्र कमल सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि नगर कोतवाली क्षेत्र में रहने वाले आरोपी सुनील यादव का मृतक की बहन से प्रेम संबंध था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच पहले भी विवाद हो चुका था। शनिवार देर शाम पुराना बस अड्डा चौकी के सामने दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इस दौरान सुनील ने पीयूष पर चाकू से कई जानलेवा वार कर दिए। खून से लथपथ और गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एसीपी ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

प्रदूषण रोकने विंटर एक्शन प्लान को और प्रभावी कर रही सरकार- सिरसा

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार ने सर्दियों के दौरान प्रदूषण रोकने के लिए अपने विंटर एक्शन प्लान को और प्रभावी कर रही है। दिल्ली के 13 प्रदूषण हॉटस्पॉट्स पर लगातार निगरानी, सख्त कार्रवाई और वैज्ञानिक तरीकों से धूल नियंत्रण का काम जारी है।

इसी कड़ी में शनिवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आनंद विहार बस टर्मिनल हॉटस्पॉट का दौरा किया। यह क्षेत्र दिल्ली के प्रमुख पॉल्यूशन हॉटस्पॉट्स में से एक है। उन्होंने मौके पर जाकर धूल नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन और सड़क मरम्मत के कामों का जायजा लिया। माननीय मंत्री ने आनंद विहार के मुख्य सड़क से जुड़ी हुई सर्विस रोड को भी यातायात अनुकूल बनाने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) द्वारा लगाए गए एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन की कार्यप्रणाली देखी और अधिकारियों से रिपोर्ट ली। मौके पर मंत्री ने पाया कि बस टर्मिनल के मुख्य द्वार पर एक छोटा सा अधूरा सड़क हिस्सा वर्षों से पड़ा हुआ था क्योंकि

वहां तीन छोटे पेड़ थे जिनका ट्रांसप्लांटेशन नहीं किया गया था।

सिरसा ने कहा कि यह पिछली सरकारों की लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। उन्होंने तुरंत निर्देश दिए कि पेड़ों का सुरक्षित स्थानांतरण किया जाए और सड़क को जल्द से जल्द पक्का कर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए खोला जाए ताकि धूल और जाम की समस्या खत्म हो।

सिरसा ने कहा कि यह सड़क वर्षों से बंद थी। अब हमारी सरकार इसे जनता के लिए खोलने जा रही है ताकि बस टर्मिनल के पास की स्लिप रोड पर ट्रैफिक जाम खत्म हो और धूल कम हो। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण और बुनियादी ढांचे दोनों में वास्तविक सुधार दिख रहा है।

मंत्री ने डीपीसीसी,पीडब्ल्यूडी और परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्लिप रोड पर अतिरिक्त ट्रैफिक कर्मी तैनात किए जाएं ताकि जाम न लगे और बसें केवल निर्धारित बे पर ही रुकें। पीक ऑवर्स में मूवेबल एंटी-स्मॉग गन और मिस्ट स्प्रेयर लगाए जाएं। टूटी या कच्ची सड़कों और फुटपाथों की जल्द मरम्मत की जाए ताकि सड़क की धूल कम हो।

सरकार की सक्रिय और समन्वित कार्यशैली को रेखांकित करते हुए सिरसा ने कहा कि ÷हर हॉटस्पॉट की समस्या अलग है, और हमारी टीमें उन्हें वैज्ञानिक तरीके से सुलझा रही हैं। चाहे सड़क की धूल हो, ट्रैफिक प्रबंधन या औद्योगिक उत्सर्जन – हर स्तर पर सख्त निगरानी और सुधार चल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले दिनों में अशोक विहार, पंजाबी बाग और अन्य हॉटस्पॉट्स पर भी इसी तरह के निरीक्षण किए जाएंगे।

पत्नी से अवैध संबंध के शक में पति ने की युवक की हत्या

घर पर ही चाकू से रेत डाला गला

नोएडा एजेंसी।
नोएडा के फेज-तीन थाना क्षेत्र के गढ़ी चौखंडी गांव में शुक्रवार रात एक व्यक्ति ने पत्नी से अवैध संबंध के शक में एक युवक की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने गढ़ी गोल चक्कर के पास सर्विस रोड से आरोपी को साथी सहित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, गढ़ी चौखंडी गांव की गली नंबर-नौ में बने कमरे में अलीगढ़ के नोजलपुर गांव निवासी अमित पत्नी व तीन बच्चों संग किराये पर रहता है। पड़ोस में रबूपुरा निवासी राहुल भी रहता था। राहुल की पत्नी और तीन बच्चे परिवार सहित रबूपुरा में ही रहते हैं। वह अमित के घर के पास किराये पर रहता था। सभी फैक्ट्रियों में साफ-सफाई का काम करते हैं। राहुल जिस फैक्ट्री में काम करता था, उसी फैक्ट्री में अमित की पत्नी भी काम करती है। दोनों साथ-साथ फैक्ट्री में काम करने जाते और आते थे, जबकि अमित दूसरी फैक्ट्री में जिला जौनपुर के नंगलीपुर गांव निवासी उमेश के साथ काम करता है। अमित और उमेश दोनों घनिष्ठ दोस्त हैं।

राहुल का अक्सर अमित के घर आता और खाना खाता था। शुक्रवार रात राहुल शराब के नशे में अमित के घर पर पहुंचा। वहां पर नशे में हंगामा करने पर अमित के बेटे और आसपास के किरायेदारों ने खदेड़ दिया। सभी ने घर का ताला लगा लिया। अमित और उसकी पत्नी बाजार गए हुए थे। बाजार से दोनों वापस लौटे तो राहुल उन्हें गेट पर हंगामा करता मिलता। मौका पाकर वह दोबारा घर में घुस आया।

इसी दौरान अमित ने उमेश के साथ मिलकर राहुल के गले पर चाकू मार दिया। लहूलुहान हालत में राहुल पड़ा मिला था। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। राहुल को नजदीक के अस्पताल ले गए। वहां पर राहुल की मौत हो गई। सेंट्रल नोएडा जोन के डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पत्नी से अवैध संबंध होने पर अमित ने उमेश के साथ मिलकर राहुल की चाकू मारकर हत्या कर दी। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

ऑफिस में लाइट बंद करने की मामूली सी बात पर झगड़ा, साथी कर्मचारी की डंबल से मारकर हत्या

पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान चित्रदुर्ग जिले के मूल निवासी भीमेश बाबू के रूप में हुई है

बेंगलुरु, एजेंसी।
बेंगलुरु में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पर लाइट बंद करने की मामूली सी बात पर झगड़े में एक व्यक्ति की हत्या हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान चित्रदुर्ग जिले के मूल निवासी भीमेश बाबू के रूप में हुई है। यह घटना डाटा डिजिटल बैंक नामक कंपनी के ऑफिस में रात करीब 1.30 बजे हुई।

जानकारी के मुताबिक यह कंपनी रोजाना फिल्म शूटिंग के वीडियो स्टोर करती है। इसका ऑफिस किराए पर चलता है। रात के वक्त यहां पर 41 साल के भीमेश बाबू और 24 साल के सोमला वामशी नाम के दो कर्मचारी रुके हुए थे। रात में दोनों के बीच ऑफिस की लाइट बंद करने को लेकर बहस हो गई। असल में भीमेश को तेज रोशनी से दिक्कत थी। इसलिए वह जरूरत न होने पर साथी कर्मचारी से लाइट बंद करने के लिए कह रहा था। दोनों के बीच यह बहस इतनी ज्यादा बढ़ गई कि विजयवाड़ा निवासी सोमला ने गुस्से में आकर भीमेश के माथे पर डंबल से कई बार वार कर दिया।

इस हमले में भीमेश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इसके बाद हमला करने वाले सोमला घबराकर वहां से भाग निकला। इसके बाद वह एक अन्य साथी कर्मचारी गौरी प्रसाद के पास पहुंचा। प्रसाद ने एक अन्य दोस्त से मदद मांगी। इन लोगों ने जब देखा कि भीमेश कोई हरकत नहीं कर रहा है तो एंबुलेंस को कॉल किया।

एंबुलेंस स्टाफ ने भीमेश की नब्ज टटोली और बताया कि उसकी मौत हो चुकी है। इसके बाद आरोपी ने गोविंदराज कोतवाली जाकर आत्मसमर्पण कर दिया। एसओ ने बताया कि सोमला के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

ग्राम पंचायतों में भी बनेंगे शॉपिंग मॉल

ग्रामीणों को सुविधा संग मिलेंगे रोजगार

गाजियाबाद, एजेंसी।
गाजियाबाद शहर की तर्ज पर अब ग्रामीण इलाकों में भी लोगों को आधुनिक सुविधाएं अपने घर के पास मिलेंगी। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में शॉपिंग मॉल बनाए जाएंगे। ग्राम पंचायतों में शॉपिंग मॉल बनने से गांव के लोगों को खरीदारी करने के साथ रोजगार भी मिल सकेगा। पंचायती राज विभाग ने ग्राम पंचायतों से मॉल विकसित करने के लिए प्रस्ताव मांगे हैं।

जिला पंचायती राज अधिकारी जाहिद हुसैन ने बताया कि पंचायतों से शॉपिंग मॉल निर्माण के प्रस्ताव मांगे हैं, ताकि भूमि, स्थान और जनसंख्या के अनुसार पंचायतों का चयन किया जा सके। इन मॉल का निर्माण पूरी तरह पंचायत की स्वामित्व वाली

भूमि पर किया जाएगा। बनने वाले शॉपिंग मॉल में लोग अपनी दुकान खोलने के लिए किराया देंगे। शॉपिंग मॉल बनने से पंचायतों में लोगों को रोजगार मिलेगा साथ ही पंचायत को आय अर्जित होगी। इस आय से ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्यों के साथ अन्य जरूरी कार्य किए जा सकेंगे। लोगों को रोजगार मिलेगा ग्राम पंचायत में शॉपिंग मॉल विकसित होने के बाद ग्रामीण लोगों को मॉल में रोजगार मिलेगा। साथ ही ग्रामीण लोगों को अपने घर पर ही सभी सुविधाएं मिल सकेंगी। शहरों की तर्ज पर बनने वाले इन मॉल्स में किराने की दुकान, वस्त्र, मोबाइल, स्टेशनरी, और अन्य जरूरी सुविधाओं की दुकानें होंगी, जिससे ग्रामीण लोगों को जरूरत की वस्तुएं एक ही स्थान पर मिल सकें। इससे स्थानीय व्यापारियों को बेहतर मंच मिलेगा।

दुकानों से आने वाले किराये से पंचायतों में विकास कार्य किए जाएंगे। मॉल से होने वाली आय से पंचायतों में सड़क निर्माण, स्वच्छता, पेयजल, लाइट, शिक्षा, और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर किया जा सकेगा। अभी पंचायतों में विकास कार्य के लिए केंद्र और राज्य सरकार से आने वाले बजट से विकास कार्य किए जाते हैं। अभिनव गोपाल,मुख्य विकास अधिकारी,ग्राम पंचायतों में शॉपिंग मॉल बनने से ग्रामीण लोगों को अपने गांव में ही एक स्थान पर जरूरत की वस्तुएं उपलब्ध हो सकेंगी।

तेज रफ्तार एम्बुलेंस ने 3 बाइकों को मारी टक्कर, 50 मीटर तक घसीटा; 2 लोगों की मौत

बेंगलुरु एजेंसी।
बेंगलुरु के रिचमंड सर्कल के पास रात में बड़ा सड़क हादसा हो गया। एक एम्बुलेंस ने तीन बाइकों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य लोग घायल हो गए। एम्बुलेंस ने एक बाइक को करीब 50 मीटर तक घसीटा भी। एम्बुलेंस ड्राइवर की पहचान शंकर के तौर पर हुई है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। ट्रैफिक वेस्ट बेंगलुरु के डीसीपी अनूप शेट्टी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पूछताछ के जरिए इस घटना को लेकर और जानकारी जुटाई जा रही है।

अमेठी जिले के गौरीगंज क्षेत्र में गौरीगंज-मुसाफिरखाना मार्ग पर 2 मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में दो युवकों की मौत हो गई और दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि शनिवार रात गौरीगंज-मुसाफिरखाना मार्ग पर राजगढ़ के पास दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस घटना में 28 साल के व्यापारी उदय गुप्ता और कौहार गांव निवासी 30 वर्षीय संदीप अग्रहरि की मौत हो गई। हादसे में दो अन्य युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को रायबरेली के एम्स में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में तेज रफ्तार ट्रॉले ने बड़ी संख्या में भेड़ों के झुंड को कुचल दिया, जिससे लगभग 2 दर्जन भेड़ों की मौत हो गई। चिचोली थाना

क्षेत्र में शनिवार शाम हरदा-बैतूल नेशनल हाईवे (एनएच-47) पर तेज रफ्तार ट्राले ने भेड़ों के झुंड को कुचल दिया। कुरसना गांव के पास हुए इस हादसे में 26 भेड़ों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब आधा दर्जन भेड़ें गंभीर रूप से घायल हो गईं। राजस्थान के नंबर वाला ट्राला बैतूल से इंदौर की ओर जा रहा था। इसी दौरान सड़क पार कर रहे भेड़ों के झुंड को उसने टक्कर मार दी। झुंड हरदा की दिशा से राजस्थान लौट रहा था।

डकैती के मामले में वांछित आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)।
मध्य जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने इंदिरापुरम (गाजियाबाद, उप्र) में हुई डकैती के मामले में वांछित आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास से एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। पकड़े गए आरोपित की पहचान चांदनी महल निवासी सुहैब उर्फ गाजी उर्फ सुहैल (23) के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि आरोपित 14 आपराधिक मामलो लूट, झपटमारी और आर्म्स एक्ट में लिप्त पाया गया है।

मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त निधान वल्सन ने शनिवार को बताया कि 30 अक्टूबर को स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली थी कि सुहैब उर्फ गाजी रणजीत नगर स्थित बारात घर में एक पार्टी में आने वाला है और उसके पास अवैध हथियार है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया। कुछ देर बाद संदिग्ध पल्सर बाइक पर आता दिखाई दिया। जिसे टीम ने दबोच लिया। तलाशी में आरोपित के पास से एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और चोरी की बाइक बरामद हुई।

पूछताछ में सुहैब ने खुलासा किया कि उसने यह पिस्टल मेरठ से अपने साथी अफजल के जरिए पांच हजार रुपये में खरीदी थी और लगभग दो-तीन माह पहले इंदिरापुरम डकैती में इसी हथियार का इस्तेमाल किया था। उसने यह भी बताया कि उस वारदात में उसके साथी समीर, अफजल और मनीष शामिल थे। जिन्हें उप्र पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

सब भगवान का किया-धरा, वेंकटेश्वर मंदिर बनवाने वाले ने कहा- भगदड़ के लिए कोई जिम्मेदार नहीं

काशीबुग्गी एजेंसी। आंध्र प्रदेश के काशीबुग्गी में वेंकटेश्वर स्वामी के मंदिर में एकादशी के मौके पर भगदड़ मचने की वजह से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। निर्माणाधीन मंदिर में अव्यवस्था को लेकर कई रिपोर्ट्स सामने आई हैं। यह मंदिर तिरुपति मंदिर के तर्ज पर बनाया गया है। ओडिशा के 94 साल के हरि मुकुंद ने इसे बनवाया है और अभी चार महीने पहले ही यह श्रद्धालुओं के लिए खोला गया था। हरि मुकुंद पांडा ने कहा कि इस घटना के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है बल्कि यह केवल दैवीय प्रकोप था।

जानकारी के मुताबिक एकादशी के मौके पर मंदिर परिसर में बेतहाशा भीड़ थी। यहां लगभग 10 हजार लोग पहुंचे थे। सुबह के 11 बजे के करीब मंदिर के प्रवेश द्वार के पास धक्का-मुक्की के चलते एक रेलिंग टूट गई और लोग गिरने लगे। इसके बाद भगदड़ मच गई। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि अगर प्रशासन को इतनी भीड़ के बारे में पहले ही जानकारी दे दी गई होती तो पुलिस ने क्राउड मैनेजमेंट प्लान बना लिया होता। पुलिस ने कहा कि अगर इतनी भीड़ के बारे में पहले ही जिला प्रशासन को बताया गया होता तो इस तरह की घटना ना होती। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 100 (सदोष हत्या) का मुकदमा रर्ज किया है। यह मंदिर आंध्र प्रदेश सरकार के रिकॉर्ड में भी दर्ज नहीं था। एक श्रद्धालु ने बताया. सुबह 9 बजे के आसपास भीड़ अचानक बढ़ने लगी। संकरी सीढ़ियां एकदम से जाम हो गईं। तभी एक रेलिंग टूट गई और लोग एक दूसरे पर गिरने लगे। मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश और निकास द्वार भी एक ही था। ऐसे में भीड़ को संभालना मुश्किल था। श्री सत्य साईं जिले में एक सभा को संबोधित करते हुए नायडू ने आयोजकों पर पुलिस को पहले से सूचित न करने का आरोप लगाया।

एसआईआर के डर से एक और व्यक्ति की मौत का दावा

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर निर्वाचन आयोग और भाजपा के खिलाफ हमला तेज कर दिया है। टीएमसी ने दावा किया कि राज्य के पूर्वी बर्धमान जिले के एक और व्यक्ति की मौत इस डर से हुई कि 2002 की मतदाता सूची में उसका नाम नहीं है, ऐसे में उसे गैर-नागरिक घोषित कर दिया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मरने वाला व्यक्ति जिले के जमालपुर इलाके का रहने वाला था। उसकी पहचान विमल संतरा के तौर पर हुई है जो एक श्रमिक था।

टीएमसी ने विमल संतरा की मौत की परिस्थितियों का विवरण दिए बिना या किसी पुलिस पुष्टि का हवाला दिए बिना कहा,

'भाजपा की डर और नफरत की राजनीति के कारण एक और अनमोल जान चली गई।' इससे पहले, पार्टी ने बंगाल में तीन लोगों के आत्महत्या कर लेने के बाद भाजपा) पर निशाना साधा था। इन लोगों ने कथित तौर पर आत्महत्या इसलिए की थी कि उन्हें डर था कि एसआईआर के बाद उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे। निर्वाचन आयोग एसआईआर के दूसरे चरण का आयोजन पश्चिम बंगाल समेत 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में करेगा, जहां अगले वर्ष चुनाव होने हैं। एसआईआर की प्रक्रिया 4 नवंबर से शुरू होकर 4 दिसंबर तक चलेगी। मतदाता सूची का मसौदा 9 दिसंबर को जारी किया जाएगा और अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी को प्रकाशित होगी।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मतदाता सूची के एसआईआर के विरोध में मंगलवार को कोलकाता में विशाल मार्च का नेतृत्व करेंगी। टीएमसी चीफ बनर्जी के साथ रैली में उनके भतीजे व पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी शामिल होंगे। यह मार्च मैदान में बीआर आंबेडकर की प्रतिमा के पास से शुरू होकर जोरासांको में रवींद्रनाथ टैगोर के निवास के पास समाप्त होगा। कार्यक्रम की घोषणा करते हुए टीएमसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एसआईआर वास्तव में खामोशी से की जाने वाली धांधली है। हम यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे कि सभी पात्र मतदाता इस प्रक्रिया में शामिल हों और पीछे न छूटें।

घर में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, लाखों के जेवर-नकदी बरामद

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। थाना साहिबाबाद पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए घर में चोरी करने वाले आरोपी अली मोहम्मद को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने लाखों रुपये के सोने-चांदी के गहने और नकदी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने साहिबाबाद क्षेत्र के एक घर से चोरी की थी। बरामद सामान में 3 जोड़ी सोने की बाली, 2 अंगूठियां, 9 नथ, 1 मंगलसूत्र, 1 गणेश मूर्ति, 5 सफेद धातु के सिक्के, 1 स्टोन जड़ी अंगूठी, 1 हाथ की घड़ी और ₹87,000 नकद शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी अली मोहम्मद, पुत्र स्वर्गीय कमरूद्दीन, मूलतः सीलमपुर, शाहदरा, दिल्ली का निवासी है और वर्तमान में साहिबाबाद क्षेत्र में रह रहा था। करीब 36 वर्षीय आरोपी ने पूछताछ में चोरी की वारदात को कबूल किया और बताया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर यह चोरी की थी। थाना साहिबाबाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रेम और पैसे के विवाद में हत्या का आरोपी गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। गाजियाबाद पुलिस को एक हत्या के मामले में बड़ी सफलता मिली है। थाना सिहानीगेट पुलिस टीम ने एक युवक की हत्या के मामले में फरार चल रहे शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया है कि आरोपी ने पैसों के विवाद और प्रेम संबंधों के चलते युवक को धारदार हथियार से मारकर मौत के घाट उतारा था। थाना सिहानीगेट पुलिस टीम ने 2 नवंबर को चेकिंग के दौरान मिली सूचना के आधार पर हत्या के आरोपी सन्नी यादव को पुराना बस अड्डा फ्लाईओवर के नीचे से गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने करीब डेढ़ वर्ष पहले मृतक की मां संगीता को ₹2 लाख 30 हज़ार रुपये दिए थे। इसमें से ₹1 लाख 30 हज़ार रुपये तो वापस कर दिए गए थे, लेकिन मृतक द्वारा शेष ₹1 लाख की रकम वापस नहीं की जा रही थी। इस बात को लेकर आरोपी और मृतक के बीच कई बार झगड़ा हो चुका था। आरोपी ने यह भी बताया कि मृतक की बहन से उसके प्रेम संबंध थे, जिसका मृतक लगातार विरोध कर रहा था। आरोपी के अनुसार, घटना वाले दिन यानी 1 नवंबर की रात को वह मृतक से मिलने गया था, जहां दोनों के बीच फिर से झगड़ा हुआ। इसी गुस्से में आकर आरोपी ने धारदार हथियार से हमला कर मृतक की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त एक अदद चाकू, खून के धब्बे लगे हुए कपड़े, और एक जोड़ी चप्पल बरामद की है।

युवा सरदार पटेल से प्रेरणा लेकर कार्य करें : राकेश सचान

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोहन नगर स्थित पटेल उद्यान में सरदार पटेल जयंती समारोह 2025 का रविवार को आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की आजादी से पहले और बाद में भी हमें एकजुट करने का काम किया। आज के युवा भी उनसे प्रेरणा लेकर कार्य करें। सरदार पटेल सेवा संस्थान, मोहननगर की ओर से हुए आयोजन का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री व अतिथियों ने उद्यान में लगी सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर और दीप जलाकर किया। एमएसएमई मंत्री ने कहा कि आज जिस भारत में हम रह रहे हैं, उसे सरदार पटेल ने ही 562 देशी रियासतों को मिलाकर भारत को एक सूत्र में बांधा था। साधारण किसान परिवार में जन्मे सरदार पटेल ने खेड़ा आंदोलन और बारदोली आंदोलन का नेतृत्व किया। किसानों के लिए उन्होंने अंग्रेजों से कानूनी लड़ाई लड़ी। उन्होंने युवाओं को सरदार पटेल से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नन्हे मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक प्रश्तुतियां भी दीं।

छह नए मरीजों में डेंगू की पुष्टि

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। जिले में रविवार को डेंगू के छह नए मरीज मिले हैं। अब कुल मरीजों की संख्या 580 से ज्यादा हो गई है। नए मरीजों के घरों के आसपास एंटी लार्वा दवा का छिड़काव कराया जा रहा है। मलेरिया विभाग का कहना है कि सभी मरीजों से फोन करके उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली जा रही है। वहीं, इस सीजन में अब तक दो डेंगू के संभावित मरीजों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने इनकी पुष्टि नहीं की है। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया कि छह नए मरीज मिले हैं। इनके घरों में एंटी लार्वा दवा का छिड़काव कराया जा रहा है।

हत्या के प्रयास के आरोपी को मिली जमानत

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। सत्र न्यायालय ने सूरजपुर थाना क्षेत्र के मारपीट प्रकरण में आरोपी मोनू को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। यह मामला कोतवाली सूरजपुर क्षेत्र के गुलिश्तानपुर चौराहा के पास कंटेनर पार्किंग इलाके का है। जहां 18 जून को युवती से मोबाइल पर बात करने को लेकर विवाद हो गया था। वादी की भतीजी से आरोपी मोनू की बातचीत को लेकर वादी के भाई ने उसे बातचीत के लिए बुलाया था। इसी बात पर विवाद बढ़ गया और आरोपी मोनू ने अपने साथियों दीपू और राजेन्द्र उर्फ लल्लू के साथ मिलकर आकाश पर नुकीली चीज से हमला कर दिया था। पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास की धाराओं में केस दर्ज किया था। आरोपी के अधिवक्ता ने दलील दी कि सह आरोपी राजेंद्र उर्फ लल्लू को 16 अक्तूबर को न्यायालय पहले ही जमानत दे चुका था।

दंपत्ति को घर में बंद कर नर्स लाखों के गहने, नकदी, सामान लेकर फरार

इंदिरापुरम के वैभव खंड स्थित कृष्णा अपरा गार्डन सोसायटी के टॉवर ए-2, फ्लैट नंबर 1201 में तैनात एक नर्स भरोसे का फ़ायदा उठाकर घर से लाखों रुपये के गहने, नकदी और मोबाइल लेकर फरार हो गई। घटना एक नवंबर की दोपहर करीब साढ़े दो बजे की बताई जा रही है। नर्स के फरार होते वक्त फ्लैट के बुज़ुर्ग दंपत्ति को अंदर ही बंद कर दिया गया। फ्लैट के बाहर लगे कैमरे में आरोपी नर्स कई भारी बैग लेकर भवन से बाहर निकलती दिखी।

देवोत्थान एकादशी पर शहर में 600 से अधिक शादियां कारोबारियों के चेहरे खिले

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

देवोत्थान एकादशी पर रविवार को शहर में 600 से अधिक शादियां हुईं। इसके कारण कपड़े, गहने, फूल और फलों की खरीदारी सबसे अधिक हुई।

कारोबारी बताते हैं कि शादियों के सीजन में बिक्री अच्छी होती है। जनपद में रविवार को छोटे-बड़े सभी फार्म हाउस, बैंक्वेट हाल, सामुदायिक केंद्रों में शादियां हुई।

पंडित अभिषेक कौशिक बताते हैं कि देवोत्थान एकादशी पर अबूझ साया होता है। इस कारण इस दिन सबसे अधिक शादियां होती हैं। पंडित शिव कुमार बताते हैं कि देवोत्थान एकादशी पर यानी रविवार को गाजियाबाद में 600 से अधिक शादियां हुई है। इस दिन शादी का महत्व होता है। गाजियाबाद में इतनी तादात में शादियां होने के कारण व्यापारियों के चेहरे भी खिले हुए हैं।

शादी के बाजार से जुड़े व्यापारी बताते हैं कि शादियों का सीजन शुरू होने से अच्छा कारोबारी होने की उम्मीद है। रविवार को काफी शादियां होने से बाजार में पिछले एक हफ्ते से खरीदारी करने वालों की रोनक बढ़ गई है।

लोग शादियों में जरूरत पड़ने वाले सभी सामान खरीद रहे हैं। इसमें मुख्य रूप से कपड़े, गहने, फूल आदि सामान शाामिल है। कपड़ा व्यापारी श्याम गोयल बताते हैं कि देवोत्थान एकादशी से शादी शुरू होने के कारण साड़ियों, लहंगे, सूट, शेरवानी, आदि कपड़ों की मांग बढ़ी है। हर कोई विशेष डिजाइन के कपड़े पसंद कर रहा है।

निगम शहर के तालाबों को मुक्त कराकर सफाई कराएगा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

नगर निगम शहरी क्षेत्र के तालाबों की सफाई कराएगा। इसके लिए नगर आयुक्त ने जलकल विभाग को आदेश दिए हैं। तालाबों को पहले अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।

शहरी क्षेत्र में 47 से ज्यादा तालाब हैं। इनमें से निगम ने कई तालाब कब्जामुक्त कर लिया है। लेकिन कुछ तालाबों पर अभी भी कब्जा है। निगम तालाबों को अतिक्रमण मुक्त कराएगा। इसके बाद तालाबों का सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। तालाबों में पानी भरा जाएगा।

तालाबों के पास पेड़ लगाए जाएंगे ताकि हरियाली रह सके। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने जलकल विभाग को तालाबों की सफाई कर पानी भरने के लिए कहा है। सदरपुर और रहीसपुर गांव के तालाबों में पानी भरा गया है। बम्हेटा गांव के तालाब को साफ कराया जाएगा।

इसके अलावा रजापुर, महारौली आदि तालाबों को कब्जामुक्त कराया जाएगा। जलकल विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पूर्व में कई तालाब अतिक्रमण मुक्त कराए गए थे। लेकिन कुछ लोगों ने फिर से कब्जा कर लिया है। ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि एनजीटी के आदेश के बाद प्रशासन तालाबों को अतिक्रमण मुक्त कराने में लगा है। कई तालाबों का सौंदर्यीकरण कराया जाना है। तालाबों को कब्जामुक्त कराने के बाद रिपोर्ट एनजीटी को भी भेजी जाएगी।

कार पीछे करने को लेकर दो पक्ष भिड़े, पथराव में तीन घायल

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

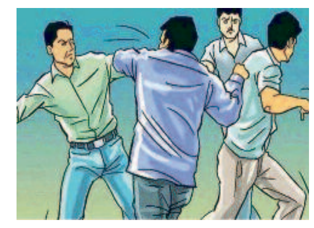

लोनी के रूपनगर कॉलोनी में रविवार दोपहर कार बैक करने को लेकर पड़ोसियों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। दोनों पक्षों के कई लोग आ गए और एक दूसरे पर पथराव कर दिया। इसमें तीन लोगों को चोट आई है।

सूचना पर पुलिस के पहुंचने से पहले ही हमलावर फरार हो गए। पथराव में चोटिल हुए तीन लोगों को संयुक्त अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों पक्षों के आठ नामजद समेत अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

रूप नगर कॉलोनी स्थित मस्जिद वाली गली निवासी नफीस रविवार दोपहर में कार बैक कर रहे थे। उनके मकान के सामने रहने वाले दिलशाद के पुत्र नोमान ने कार को सही से पीछे करने के लिए कहा।

इसे लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। गाली गलौज होने पर दोनों ओर के लोग आमने सामने आ गए और हाथापाई करने लगे। महिलाओं ने घर से पथराव करना शुरू कर दिया। दोनों पक्षों की ओर से करीब आधे घंटे तक पथराव हुआ। इसमें नफीस और दिलशाद के पुत्र नोमान समेत एक अन्य को चोट आई।

सूचना पर पहुंची पुलिस को देखकर दोनों पक्ष के लोग भाग गए। पुलिस पथराव में घायल तीन लोगों को उपचार के लिए संयुक्त अस्पताल लेकर पहुंची। चिकित्सकों ने उपचार के बाद घायलों की छुट्टी दे दी। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि दोनों पक्षों में 31 अक्तूबर की रात नौ बजे हुए विवाद के बाद भी मारपीट हुई थी।

पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज की थी। एसीपी ने बताया कि रविवार को हुई मारपीट के बाद पथराव में पुलिस की ओर से दोनों पक्षों के करीब आठ नामजद समेत अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। हमलावरों की तलाश की जा रही है।

वाहन चोरी होने पर बीमा कंपनी करेगी क्लेम राशि का भुगतान

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷

वाहन चोरी होने पर कागजात न देने, सूचना देर से देने के कारण बीमा कंपनी क्लेम देने के इन्कार नहीं कर सकती। ऐसे ही एक मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने बीमा कंपनी को वाहन की क्लेम राशि का 6 फीसदी ब्याज समेत 30 दिन में भुगतान करने का आदेश दिया है। आयोग के अध्यक्ष अनिल कुमार पुंडीर और सदस्य अंजु शर्मा ने सुनवाई की।

बुलंदशहर निवासी लोकेंद्र कुमार ने इफ्को टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी से बाइक का बीमा कराया था। 2017 में सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र से उनकी बाइक चोरी हो गई थी। सूचना पर कंपनी ने जांच के लिए सर्वेयर नियुक्त किया। वाहन मालिक ने सर्वेयर को जरूरी दशतावेज दे दिए। जरूरी प्रक्रिया पूरी करने के बाद भी बीमा कंपनी ने क्लेम राशि का भुगतान नहीं किया। 24 दिसंबर, 2019 को कंपनी ने 45 हजार रुपये का क्लेम निरश्त करने की सूचना उनको दी।

क्लेम नहीं मिलने पर वाहन मालिक ने जिला उपभोक्ता आयोग में वाद दायर किया था। आयोग में सुनवाई के दौरान बीमा कंपनी ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वाहन चोरी की सूचना देर से दी गई।

वाहन की चाबी और जरूरी दश्तावेज मुहैया नहीं कराए गए जिसके चलते क्लेम को निरश्त कर दिया। आयोग ने दोनों पक्षों के साक्ष्य का अवलोकन किया। आयोग ने माना कि शिकायत करने वाले ने चोरी की तुरंत रिपोर्ट कराई। सर्वेयर के साथ सहयोग किया। उसके मांगे गए दश्तावेज देकर पॉलिसी की शर्तों का काफी हद तक पालन किया। शिकायत करने वाले को मानसिक तकलीफ, पैसे की तंगी और परेशानी हुई है, जिसके लिए उसे मुआवजा मिलना चाहिए।

आयोग ने क्लेम के 45 हजार रुपये 6 फीसदी सालाना ब्याज समेत 30 दिन में भुगतान करने का आदेश दिया है।

लाफ्टर एंबेसडर कमोडोर अशोक साहनी ने किया लाफ्टर क्लब 39' का उद्घाटन

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

सेक्टर 39 निवासी तेज अरोड़ा, इंदर पवाह, एमपी सिंह, और आरके विज की पहल पर, सेक्टर 21 के JVCC लाफ्टर क्लब ने उनके सेक्टर में एक नया लाफ्टर योगा क्लब बनाने में मदद की। सेक्टर 39 के अलग-अलग ब्लॉक के करीब 50 जोशीले लोगों की मौजूदगी में, 'लाफ्टर क्लब 39' का औपचारिक रूप से उद्घाटन, लाफ्टर एंबेसडर कमोडोर अशोक साहनी ने अपनी आठ मेंबर्स की समर्पित सदस्यों के साथ किया।

तीन दशक पहले मुंबई में डॉ. मदन कटारिया ने लाफ्टर योगा शुरू किया था, जो अब 120 देशों में फैल चुका है और दुनिया भर में लाखों लोगों को सेहत और खुशी दे रहा है।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लोगों के बीच लाफ्टर योग के हेल्थ बेनिफिट्स को बढ़ावा देने के अपने मिशन को जारी रखते हुए, सेक्टर 21 के JVCC लाफ्टर क्लब ने अब तक अलग-अलग सेक्टर में पांच लाफ्टर क्लब बनाने में मदद की है। आयोजन के दौरान, कमोडोर अशोक साहनी ने लाफ्टर योगा के चार बेसिक स्टेप्स के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बताया, जिसके बाद एक मज़ेदार बॉलीवुड डांस और ग्रैटिट्यूड सॉन्ग हुआ, जो वहां मौजूद सभी लोगों के लिए एक हाइलाइट साबित हुआ।

नोएडा पुलिस ने ई-कॉमर्स कंपनी में चोरी करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

पुलिस ने ई-कॉमर्स कंपनी में चोरी करने वाले तीन शातिर बदमाशों को रविवार को नाले की पटरी से दबोच लिया। आरोपियों के पास से कंपनी से चोरी किए दो प्रिंटर, एक लैपटॉप बरामद कर लिया।

इसके संबंध में थाने पर करीब 20 दिन पूर्व कंपनी की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था। हरियाणा फरीदाबाद के सेक्टर-21 निवासी मामचंद स्वामी ने पुलिस को बताया था कि वह ट्रांसपोर्ट का काम करते हैं। उनके ट्रक फिल्पकार्ट के किलर्टस्टोर से माल ढुलाई में भी लगे हैं।

बुलंदशहर के शहबाजपुर दौलत का रहने वाला दीपक कुमार उनके ट्रक चलाता है। दीपक नौ अक्तूबर की सुबह दिल्ली द्वारका स्थित किलर्टस्टोर से ग्रेटर नोएडा के लिए माल लेकर निकला था, लेकिन वह माल लेकर नहीं पहुंचा। स्टोर प्रबंधन की ओर से ट्रांसपोर्ट के पास सूचना पहुंची। मामचंद ने बताया था कि ढूंढ़ने के दौरान खाली ट्रक नोएडा में ओखला बर्ड सेंचुरी के पास खड़ा मिला।

ट्रक की बोल्ट सील और डिजिटल लॉक टूटा पड़ा था। ट्रक से सारा माल गायब था। दीपक का मोबाइल नंबर भी बंद आ रहा था। उन्होंने दीपक और माल को आसपास ढूंढा, लेकिन सामान का कोई सुराग नहीं मिला।

सीओ स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि टीम ने सूचना के आधार पर रविवार सुबह नाले की पटरी के पास तीन संदिग्धों को दबोच लिया। आरोपियों की पहचान दिल्ली के संगम विहार निवासी अनूप, राहुल गुप्ता और दिल्ली के नेव सराय निवासी यश गुप्ता के रूप में हुई। आरोपियों के पास से दो प्रिंटर और एक लैपटॉप बरामद हुआ है। साथ ही एक-एक अवैध चाकू भी बरामद हुआ है। जांच में पता चला कि अनूप और यश के खिलाफ दिल्ली में भी मुकदमे दर्ज हैं।

बजाज बिलाई शुगर मिल में पेराई सत्र 2025-26 का शुभारंभ, लोकेंद्र चौधरी ने की पूजा-अर्चना

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

नगर के समीप स्थित बजाज बिलाई शुगर मिल में शनिवार को पेराई सत्र 2025-2026 का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर नए पेराई सत्र की सफलता और समृद्धि की कामना की।

कार्यक्रम में मिल प्रबंधन, क्षेत्र के किसान बंधु, कर्मचारी तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूजा के बाद मिल परिसर में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए लोकेंद्र चौधरी ने कहा कि "चीनी मिल क्षेत्र के किसानों की आर्थिक रीढ़ है। पेराई सत्र की सुचारु शुरुआत किसानों की मेहनत का सम्मान है। आशा है कि इस सत्र में सभी को उत्तम उत्पादन और उचित मूल्य प्राप्त होगा।"

उन्होंने किसानों से अपील की कि वे गन्ने की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें और मिल प्रशासन के साथ तालमेल बनाकर अधिकतम लाभ प्राप्त करें। चौधरी ने कहा कि मिल और किसान एक-दूसरे के पूरक हैं, दोनों के सहयोग से ही क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार होता है। मिल प्रबंधन ने भी उपस्थित किसानों का आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि इस वर्ष पेराई कार्य समय पर व पारदर्शी तरीके से किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर एक-दूसरे को शुभकामनाएँ दीं और सफल पेराई सत्र की मंगलकामना की।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

विधानसभा में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की 41वीं पुण्यतिथि एवं भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती पर हृदयस्पर्शी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

यह सभा जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती हेनरिता राजीव सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को दोनों महान नेताओं के आदर्शों एवं योगदान पर प्रकाश डालते हुए प्रेरित किया।

नगर अध्यक्ष जाहंगीर जैदी, जावेद अंसारी (उपाध्यक्ष) एवं हुकुम सिंह (महासचिव) सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता स्थानीय नेता एवं नागरिक उपस्थित रहे। नगर अध्यक्ष जाहंगीर जैदी ने अपने संबोधन में कहा कि इंदिरा जी एवं पटेल जी के विचार आज के राजनीतिक परिदृश्य में और भी प्रासंगिक हैं।

जहां एकता एवं समावेशिता की आवश्यकता है। जावेद अंसारी ने युवा कार्यकर्ताओं को दोनों नेताओं के सिद्धांतों पर चलने का आह्वान किया।

हुकुम सिंह ने स्थानीय मुद्दों को जोड़ते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रहेगी।

इस मौके पर जावेद इक़बाल, आफताब अहमद, मोहम्मद शारिक, वसीम कुरैशी, सलीम, दिलशाद अंसारी, विनीत चौधरी, मोहम्मद फुरकान अंसारी, परवेज़ इक़बाल , साबिर अंसारी, मिथुन कुमार, सुकेश कुमार, अरविंद, राजू, नवाब अंसारी और अन्य उपस्थित थे।

मासूम की बलि देने के मामले में बड़ा फैसला, दंपति समेत चार दोषियों को उम्रकैद

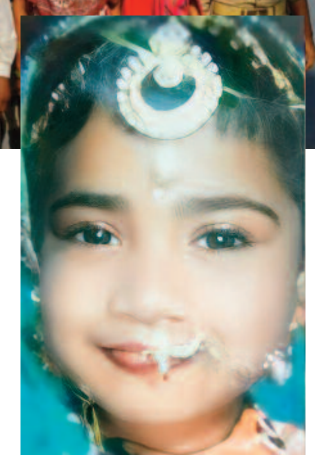

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

धामपुर के गांव पाडली मांऊ में आठ साल पहले पांच वर्षीय बच्ची की बलि के मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। तांत्रिक के कहने पर की गई हत्या में चार आरोपियों-हरपाल, उसकी पत्नी फूलवती, बेटी शिवानी और राकेश को उम्रकैद और 45-45 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है।

मुख्य तांत्रिक अब भी फरार है।

मामला वर्ष 2017 का है जब मजदूर कंवरवीर सिंह की बेटी राखी घर से लापता हुई थी और उसका शव छत पर मिला था।

जांच में खुलासा हुआ कि शिवानी की बीमारी दूर करने के लिए तांत्रिक के बहकावे में आकर बच्ची की बलि दी गई थी। मृतका के ताऊ बरम सिंह ने कहा कि "आठ साल बाद न्याय मिला, अब बच्ची की आत्मा को शांति मिलेगी।" लोगों ने अदालत के फैसले का स्वागत किया और फरार तांत्रिक की गिरफ्तारी की मांग की है।

बढ़ापुर क्षेत्र में युवाओं तक रोजगार व अन्य इमरजेंसी सुविधाएं पहुंचाने का कार्य करने में लगे : गौतम सर

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

बढ़ापुर क्षेत्र के गांव इस्लामाबाद में जिला पंचायत सदस्य गौतम सर ने एम एस मेडिकल कॉलेज में सभा कर विकासखंड कोतवाली वार्ड संख्या -7 क्षेत्र में दी गई सुविधाओं व युवाओं को रोजगार दिलवाकर क्षेत्र के युवाओं को सरकार द्वारा दी जा रही योजनाओं के बारे में एक सभा कर जागरूक किया।

रविवार को बढ़ापुर क्षेत्र के गांव इस्लामाबाद में स्थित एम एस मेडिकल कॉलेज में जिला पंचायत सदस्य गौतम सर ने सभा कर कहा कि विकास खण्ड कोतवाली वार्ड नं 7 के गांवों में इमरजेंसी सेवा जैसे एम्बुलेंस सेवा, ऑक्सीजन सिलेंडर, धार्मिक स्थलों के लिए गाड़ी की सेवा, विवाह प्रोग्राम करने के लिए टैंट की सेवा सहित शिक्षा की ओर मेडिकल व आईटीआई कोर्स उधर रोजगार को लेकर युवाओं के लिए रोजगार सेवा विभिन्न से वा एं उपलब्ध कराई इसी के साथ उनका मानना है कि यदि इतना कार्य अन्य जन प्रतिनिधि कर पाते तो क्षेत्र की तस्वीर कुछ और होती। उन्होंने कहा कि आगामी जिला पंचायत चुनाव में वह विकासखंड कोतवाली क्षेत्र के वार्ड नंबर 7 से सदस्य का चुनाव निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में लड़ेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र की जनता ने उन्हें मौका दिया तो क्षेत्र में विकास कार्य कराकर जनता की सेवा में खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

पूर्व विधायक सतीश गोतम ने पालिका के ईओ को सौंपा शिकायती पत्र

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

मोहल्ला लालसराय दलित बश्ती में स्थानीय लोगों की शिकायत पर पूर्व विधायक सतीश गौतम ने नगर पालिका परिषद नगीना संबंधित अधिकारी को शिव मंदिर नगीना के आसपास बरसात के कारण भरने वाले गंदे पानी से निजात दिलाने के लिए मांग पत्र दिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार थोड़ी सी बारिश में ही शहर का गंदा पानी धर्मशाला के सामने शिव मंदिर पर जमा हो जाता है तथा करीब 200 मीटर के क्षेत्र में जल भराव के कारण कीचड़ एवं गंदगी इकट्ठा हो जाती है। जिसका संज्ञान लेते हुए पूर्व विधायक सतीश गौतम ने संबंधित अधिकारी को निदान हेतु पत्र लिखा।

इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व विधायक सतीश गौतम भाजपा नेता रोहित रवि, अध्यक्ष खुर्रमअली सराय अरविंद कुमार, बूथ अध्यक्ष लालसराय अमन कुमार, बूथ अध्यक्ष मनोज कुमार(बबलू), संदीप कुमार, बाबूराम, धीरे प्रधान, नीरज कुमार, सीताराम सिंह, गुड्डू कुमार, रीनू कुमार, जगदीश कुमार, अब्दुल मुतालिब, गजेंद्र कुमार, नीरज कुमार, हेमराज सिंह, पप्पू कुमार आदि उपस्थित रहे।

थर्ड यूथ एशियन पेट लिफ्टिंग गेम में फूलसंदा के पर्व ने जीता कांस्य पदक

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

बहरीन की राजधानी मनामा में 26 से 31अक्तूबर तक आयोजित होने वाले थर्ड यूथ एशियन वेटलिफ्टिंग गेम में फुलसंदा के पर्व ने कांस्य पदक जीत कर जनपद का नाम रोशन किया है।

पर्व ने भारत का नेतृत्व करते हुए 94 किग्रा भारवर्ग में 181 किग्रा वजन उठाकर यह खिताब हासिल किया।

पर्व ने अपनी सफलता का श्रेय दादा राजेंद्र सिंह, पिता विकास चौधरी व कोच करन सिंह को दिया है।

वहीं, डॉ. राजवीर सिंह, सरपंच मानपाल सिंह, पूर्व प्रधान संजीव कुमार, प्रशांत कुमार, आकाश कुमार, रौंकी कुमार, विमल कुमार, अश्वनी कुमार, हिमांशु चांग, जसवंत चांग आदि ने पर्व को शुभकामनाएं दी। कोच करन सिंह ने बताया कि पर्व ने यह छठवां इंटरनेशनल मेडल जीता है। इससे पहले भी वह कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप, एशियन चैंपियनशिप, वर्ल्ड चैंपियनशिप में सर्वण, रजत व कांस्य पदक जीत चुका है। कांस्य पदक जीतने के बाद इलाके के लोगों में उत्साह का महौल है।

संपादकीय

त्रिचरणीय आतंक की कैद में तडफता सौहार्द

समूचे संसार में समस्याओं का अम्बार लगा है। लोगों की मनमानियां चरम सीमा पर हैं। संविधान, कानून, नियम, शर्तें, समझौते, मान्यतायें, परम्परायें सभी टूट चुकीं हैं। व्यक्तिगत सुख का सिद्धान्त पूरी तरह से लागू हो चुका है। पहले स्वयं, फिर परिजन और बाद में स्वजनों तक पहुचकर संवेदनायें समाप्त हो जातीं हैं।

समाज, देश और विश्व की चिन्तायें अपनी चिता पर स्वाहा होंगीं है। धन, सम्पत्ति और संपदा की मृगमारीचिका के पीछे भागने वालों में लगभग 99.99 प्रतिशत जनसंख्या शामिल हो चुकी है। यही आंकडा संसार के देशों पर भी लागू होता है जो स्वार्थ की बुनियाद पर शोशमहल खडा करने में जी जान से जुटे हैं। कथित अनुसंधानों के द्वारा व्यवस्था को तंत्र को अव्यवस्थित करने वाले तो विलासता की चाह में गले तक डूब चुके हैं।

ऐसे लोग भविष्य की कीमत पर भी वर्तमान का आनन्द तलाशने में जुटे हैं। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन चरम सीमा पर पहुंच गया है। जीव से अधिक महात्व मशीनों को दिया जाने लगा है। वर्चस्व की जंग में हथियारों की होड, उपकरणों का प्रयोग और जीवित सांसों को गुलामी की बेडियां पहनाने का क्रम चल निकला है।

जाति, क्षेत्र, भाषा, जीवन शैली आदि के आधार पर विभाजनकारी रेखायें निरंतर खींची जा रही हैं। धर्म निरपेक्षता के नाम पर धर्मविरोधियों द्वारा मानवता के खिलाफ षडयंत्र किये जा रहे हैं। आरक्षण के प्रकोप से जातिगत धरातल पर खून की नदियां बहाई जा रहीं हैं। जन्म के आधार पर सुविधाओं का पिटारा खोलकर आपसी वैमनुष्यता की की रेवडियां बांटी जा रहीं हैं। मुफ्तखोरी को बढावा देकर हरामखोरों की जमातें तैयार की जा रहीं हैं। ऐसे में दूरदर्शिता को हाशिये पर पहुंचाने वाले कभी चुनावी माहौल को रक्तरंजित करने का षडयंत्र करते हैं तो कभी आन्दोलनों के नाम पर असामाजिक तत्वों के सहयोग से दंगे फैलाते हैं।

भाषायी विवाद पैदा करने वाले राजनैतिक दलों ने तो अपने संस्थापक के सिद्धान्तों तक को दरकिनार करते हुए दूसरे राज्यों में बसे अपने राज्य के लोगों हेतु मुश्किलें पैदा कर दीं हैं। परिवारवाद के साथ सत्ता को जोडकर उसे अधिकार की परिधि में शामिल कर लिया गया है। चाटुकारों की टोलियां निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए अपने आकाओं की संतानों को जन्म के साथ ही विलासता भरे शासन की लोरियां सुनाने लगतीं हैं। विरोध के नाम पर प्रत्येक बिन्दु पर नकारात्मकता परोसने वाले विवेकहीन लोगों के बढते कद ने समाज को विवेकहीनता का उदाहरण परोस दिया है। संसार भर में हथियारों के सौदागरों का परचम फहरा रहा है। मृत्यु को उद्योग बनाने वाले देशों का षडयंत्रकारी नेतृत्व केवल और केवल अपनों तक ही सीमित होकर रह गया है। परिजनों का लाभ दिलाने हेतु विकसित देश के सत्ताधारियों द्वारा राष्ट्रहित को तिलांजलि दी जा रही है।

बानगी के तौर पर देखें तो अन्तर्राष्ट्रीय श्तर पर जहां ट्रंप ने अपने बेटों की कम्पनी वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल के साथ पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल का समझौता करके क्रिप्टोकरेंसी और डिजिटल वित्तीय परिवर्तन के क्षेत्र में मील का पत्थर बनने की घोषणा की वहीं राष्ट्रीय श्तर पर सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाली राजीव गांधी फाउंडेशन ने चीन से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के समर्थन में एक प्रोजेक्ट हेतु ₹30 लाख डॉलर की आर्थिक सहायता चीनी दूतावास से दान प्राप्त की।

इस संस्था में राहुल गांधी, मनमोहन सिंह और पी. चिदंबरम सहित अनेक सदस्य शामिल हैं। स्थानीय श्तर पर भी कार्यपालिका और विधायिका के अनेक सदस्य अपने परिवारजनों के नाम पर संस्थायें गठित करके जमकर पैसा लूटने में लगे हैं।

एक ओर अन्तर्राष्ट्रीय श्तर मीरजाफरों की सहायता से विकासशील देशों को अस्थिर करके उन्हें पडोसियों के साथ लडाने में दुनिया के ठेकेदार अपनी पूरी ताकत झौंक रहे हैं वहीं दूसरी ओर देश के अन्दर सुल्तान बनने की चाहत रखने वाले नैतिकता को दफन करके खून की नदियां बहाने की स्थितियां पैदा कर रहे हैं।

स्थानीय श्तर पर तो आतंक के बादलों ने संविधान के सूरज को पूरी तरह ही ढक लिया है। इसके लिए धनबल, बाहुबल, भीडबल, पहुंचबल, सत्ताबल, सम्मानबल, भौकालबल, प्रोपोगंडाबल जैसी आंधियां तेजी से चल रहीं हैं।

उत्तरदायी तंत्र मूक दर्शक बना अपनी भारी भरकम पगार पर मौज मना रहा है। सरकारी नौकरी में लगे करोडों मतदाताओं को लुभाने के लिए अनावश्यक रूप से वेतन वृद्धि, सुविधाओं में बढोत्तरी, पेंशन में इजाफा जैसे कार्य बेधड़क किये जा रहे हैं। ईमानदार करदाताओं द्वारा दिये जाने वाले पैसों, निरीह लोगों से होने वाली जबरजस्ती सरकारी वसूली और मनमाने बनाये जाने वाले नियमों से भरने वाले खजाने से यह लालची भुगतान निरंतर हो रहा है।

एक सामान्य परिवार की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति का मापदण्ड जनसेवकों से सरकारी अधिकारी बन चुके लोगों पर लागू नहीं किया जाता है। उन्हें विलासता के बिछौने, स्वर्ण पात्रों में भोजन, वातानुकूलित वातावरण, मखमली वाहन, राजसी सम्मान जैसे संसाधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

उनकी मनमानियों को मानवीय त्रुटि या यांत्रिक खराबी कह कर अभय दान दिया जाता रहा है ताकि थोक में मिलने वाले वोटों पर एकाधिकार किया जा सके। ऐसे में अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और स्थानीय श्तर पर चल रहे षडयंत्र को समाप्त किये बिना पूर्ण शान्ति की कल्पना करना, किसी मृगमारीचिका के पीछे भागने जैसा ही है। वर्तमान में त्रिचरणीय आतंक की कैद में तडफते सौहार्द को बचाने के लिए आम आवाम को आगे आना होगा तभी सकारात्मक परिणाम सामने आयेंगे अन्यथा विकट से विकराल होती स्थितियां जीवन के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिंह कर देंगीं। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

घोषणा-पत्रः लोकतंत्र का सशक्त हथियार या चुनावी छलावा?

ललित गर्ग

बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों ही गठबंधनों ने बढ़-चढ़कर लोकलुभावनी और जनता को आकर्षित या गुमराह करने वाली घोषणाओं से जुड़े चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। इन घोषणा पत्रों में जिस तरह की घोषणाएं की गई हैं, वे निश्चित रूप से अतिशयोक्तिपूर्ण हैं।

यह प्रश्न अब गंभीर हो गया है कि क्या घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ यानी चुनाव का सबसे सशक्त हथियार बन चुके हैं या चुनावी छलावा? निश्चित ही यह जनता को रिझाने और प्रभावित करने का प्रमुख माध्यम बन गया है, परंतु सत्ता में आने के बाद कितने राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों का अक्षरशः पालन किया है, यह बड़ा सवाल है।

वास्तव में घोषणा पत्र किसी दल का दृष्टिपत्र होता है, जो उसके विचारों, उद्देश्यों और संकल्पों का सार्वजनिक दशतावेज है। यह बताता है कि दल सत्ता में आने के बाद राज्य या देश की दिशा कैसी तय करना चाहता है, किन मूलभूत समस्याओं का समाधान करना चाहता है और विकास की कौन सी राह पर चलना चाहता है।

घोषणा पत्रों में किए गए वादों को लेकर परस्पर विरोधी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तो छिड़ता है, लेकिन उन्हें लेकर वैसी सार्थक बहस नहीं हो पाती, जैसी विकसित देशों में होती है और जिसके आधार पर वहां स्वस्थ जनमत तैयार करने में मदद मिलती है। हैरानी नहीं कि अपने यहां चुनावी घोषणा पत्र अपनी महत्ता खोते जा रहे हैं। लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है।

यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है।

अधिकांश दल चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्रों को भूल जाते हैं। मतदाता भी अपने वोट के बदले वादों की पूर्ति का हिसाब नहीं मांगते। परिणामस्वरूप घोषणा पत्र एक औपचारिकता और दिखावे का माध्यम बनकर रह गए हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अधिकांश घोषणाओं का पालन आधा-अधूरा ही हुआ है।

राजस्थान में पिछली सरकार ने अपने घोषणा पत्र के लगभग 64 प्रतिशत वादे पूरे किए, जबकि कर्नाटक में सिर्फ तीन प्रतिशत वादे ही पूरे हुए। यह आंकड़े बताते हैं कि घोषणा पत्र को गंभीरता से न तो दल लेते हैं, न जनता। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने प्रतिनिधियों से सवाल करे और जवाब मांगे। घोषणा पत्रों की एक बड़ी समस्या यह है कि उनमें की गई घोषणाएं वित्तीय दृष्टि से असंभव होती हैं। जनता को खुश करने के लिए ऐसे वादे किए जाते हैं जिनके लिए न तो संसाधन हैं, न कोई ठोस योजना। कोई कानूनी प्रावधान भी नहीं है कि दल अपने वादे पूरे न करने पर जवाबदेह बने। यही कारण है कि चुनाव के बाद घोषणाएं भुला दी जाती हैं।

बिहार चुनाव के संदर्भ में देखें तो एनडीए और महागठबंधन दोनों ने अत्यधिक आकर्षक और लोकलुभावन वादों से भरे घोषणा पत्र जारी किए हैं। एनडीए ने अपने 'संकल्प पत्र' में एक करोड़ नौकरियों का वादा किया है, महिलाओं को दो लाख रुपये तक की सहायता, हर जिले में कौशल केंद्र, किसानों के लिए नौ हजार रुपये वार्षिक सम्मान निधि और सात नए एक्सप्रेस-मार्गों के निर्माण की बात कही है।

वहीं महागठबंधन ने अपने 'तेजस्वी प्रण' में प्रत्येक परिवार को सरकारी नौकरी देने, महिलाओं को ढाई हजार रुपये मासिक सहायता, पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली, किसानों को समर्थन मूल्य की गारंटी और मंडियों की बहाली जैसे बड़े वादे किए हैं। दोनों घोषणाओं में एक बात समान है- वे अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी और जन-लोभक हैं। नौकरियों, मुफ्त बिजली, नकद सहायता और भारी निवेश की घोषणाएं सुनने में तो आकर्षक लगती हैं, पर इनकी व्यावहारिकता संदिग्ध है। बिहार जैसे राज्य में, जहां संसाधन सीमित हैं और रोजगार की स्थिति जटिल है, इन वादों को लागू करना आसान नहीं है। घोषणाओं में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इतने बड़े खर्चों का वहन कैसे होगा, कौन-से विभाग या योजनाएं इनका संचालन करेंगे और कब तक परिणाम दिखेंगे।

इन घोषणा पत्रों में जनकल्याण की भावना अवश्य है, परंतु वह यथार्थ से अधिक कल्पना पर आधारित लगती है। बिहार की वाशतविक समस्याएं- शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रवासी मजदूर, कृषि संकट, रोजगार और उद्योगों का अभाव, इनका समाधान केवल लोकलुभावन वादों से नहीं होगा। आवश्यक है कि दल घोषणाएं करने से पहले उनकी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवहार्यता का गंभीर अध्ययन करें।

राजनीति में घोषणा पत्रों का उपयोग अब एक चुनावी हथियार के रूप में हो रहा है, न कि जनसेवा की प्रतिबद्धता के रूप में। मतदाता को भी जागरूक होना होगा कि वे केवल वादों से प्रभावित न हों, बल्कि यह जानने की कोशिश करें कि पिछले चुनावों में किए गए वादों में से कौन-से पूरे हुए। मीडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी यह दायित्व निभाना चाहिए कि वे चुनावों के बाद घोषणाओं की निगरानी करें, ताकि दल जवाबदेह बने। घोषणा पत्र तभी सार्थक होंगे जब उनमें किए गए वादे मापनीय, समयबद्ध और संसाधन-सिद्ध हों।

दलों को चाहिए कि वे घोषणाओं को नारेबाजी के बजाय ठोस योजनाओं में बदलें। यह भी आवश्यक है कि चुनाव आयोग इस दिशा में कोई नीति बनाए ताकि असंभव और अव्यावहारिक वादों से जनता को भ्रमित न किया जा सके।

ऐसे में विमर्श का विषय यह है कि क्या हमें यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए वादे को वाशतविक रूप में पूरी तरह से लागू किया जाए? दरअसल चुनावी घोषणा-पत्र अनिवार्य रूप से उन नीतियों की एक सूची है जो एक राजनीतिक दल के द्वारा चुनाव के समय जनता के समक्ष अपने इरादों, उद्देश्यों या विचारों को चुनावी घोषणा-पत्र के रूप में प्रकाशित करती है। मतदान के बाद यदि वह पार्टी सत्ता में आती है तो उन नीतियों पर काम करेगी, ऐसा इसमें कहा जाता है। प्रत्यक्ष रूप से यह चुनाव घोषणा-पत्र एक विजन डाक्यूमेंट है।

इसलिए यह घोषणा-पत्र वैधानिक और कानूनी रूप से लागू करने वाला एक योग्य दशतावेज बनना चाहिए। निश्चित रूप से चुनावी घोषणा-पत्र मतदाताओं के लिए निर्णय लेते समय राजनीतिक दलों के शासन के एजेंडे को उनके विचारों को मापने का एक सशक्त माध्यम है। यह भी कहा जा सकता है कि मतदान लेन-देन के जैसा है।

एक बार जब चुनावी वादों पर वोट दिए जाते हैं तो यकीनन इसे एक कानूनी अनुबंध माना जाना चाहिए। जब कोई पार्टी चुनाव जीत कर सत्ता में आती है तो सवाल उठता है कि क्या वह घोषणा-पत्र जो एक अनुबंध का रूप ले चुका है, उसे लागू होना चाहिए या नहीं? जिस सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के तहत सरकारें चुनी जाती हैं, क्या किए गए वादों को पूरा करने के संदर्भ में उनकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? चुनाव आयोग को भी इस बारे में नए सिरे से विचार करना चाहिए, ताकि इसका कुछ ठोस समाधान किया जा सके।

निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ में जनता को प्रभावित करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं, परंतु जब तक वे केवल वादों की झड़ी बने रहेंगे और उनके पालन की कोई बाध्यता नहीं होगी, तब तक यह लोकतंत्र की सार्थकता को अधूरा रखेंगे। बिहार के दोनों गठबंधनों के घोषणा पत्र लोकतांत्रिक उत्सव की चमक तो बढ़ाते हैं, पर उनका सच समय के साथ ही सामने आएगा कि वे जनता की उम्मीदों को पूरा करते हैं या सिर्फ चुनावी छलावे साबित होते है।

बिहार क्या चुनेगा, झूठे वादे या सचाई का संकल्प!

एस. सुनील

बिहार के लोगों के लिए अगले पांच साल और उससे भी आगे का भविष्य चुनने का समय आ गया है। चार दिन बाद गुरुवार, छह नवंबर को पहले चरण की 121 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी।

उससे पहले मुख्य मुकाबले वाले दोनों गठबंधनों का घोषणापत्र सामने आ गया है। एक तरफ है एक व्यक्ति का 'तेजस्वी प्रण', जिसे गठबंधन की दूसरी पार्टियों का ही पूरा समर्थन नहीं मिल रहा है तो दूसरी ओर सामूहिक संकल्प है, जिसके पीछे देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की दूरदृष्टि और विशाल अनुभव का बल है। निश्चित रूप से बिहार के लोगों को यह तय करने में कोई परेशानी नहीं आने वाली है कि वे प्रण के नाम पर परोसे गए झूठ को चुनें या सचाई के संकल्प को चुनें।

एनडीए का संकल्प पत्र जारी होने के बाद माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जारी हुआ एनडीए का संकल्प पत्र आत्मनिर्भर और विकसित बिहार के हमारे विजन को स्पष्ट रूप से सामने लाता है। इसमें यहां के किसान भाई, बहनों, युवा साथियों और माताओं, बहनों के साथ ही राज्य के मेरे सभी परिवारजनों के जीवन को और आसान बनाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता दिखाई देती है'। माननीय प्रधानमंत्री की यह प्रतिबद्धता ही इस संकल्प पत्र की शक्ति है, जिस पर बिहार के लोग भरोसा करेंगे।

बहरहाल, पहले अगर बिहार के विपक्षी महागठबंधन के घोषणापत्र की बात करें तो उसकी शुरुआत ही इस झूठ की बुनियाद से होती है कि सरकार बनने पर बिहार के हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देंगे। यह सिर्फ बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी यादव का वादा है। एक बार भी कांग्रेस के नेता श्री राहुल गांधी ने या गठबंधन की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी सीपीआई माले के श्री दीपांकर भट्टाचार्य ने इसे नहीं दोहराया है।

उप मुख्यमंत्री पद के दावेदार घोषित हुए श्री मुकेश सहनी जरूर इस बात को दोहरा रहे हैं लेकिन पिछले दिनों उनका एक इंटरव्यू सोशल मीडिया में वायरल हुआ, जिसमें वे इस वादे से जुड़े किसी सवाल का जवाब नहीं दे पा रहे थे। वे नहीं बता पा रहे थे कि इतनी बड़ी संख्या में सरकारी नौकरी देने के लिए पैसा कहां से आएगा। वे हर सवाल के जवाब में कह रहे थे कि 20 महीने इंतजार करे। सवाल है कि क्या बिहार के लोग ऐसे आधारहीन वादे पर वोट करके 20 महीने इंतजार कर सकते हैं?

यह वादा पहली नजर में झूठ का पुलिंदा इसलिए दिखता है क्योंकि इसका कोई ठोस रोडमैप नहीं बताया गया है। इस पर इस वजह से भी संदेह है कि राष्ट्रीय जनता दल के 15 साल के शासन का इतिहास सबने देखा है। उस समय तो सारी सरकारी नौकरियां धीरे धीरे समाप्त हो गई थीं। कोई भी साधारण समझ का व्यक्ति इस वादे की वाशतविकता की पड़ताल करके इसे खारिज कर सकता है। बिहार में 2.78 करोड़ परिवार हैं। फिलहाल 23 लाख लोग सरकारी नौकरी कर रहे हैं। अगर यह माना जाए कि 23 लाख परिवार से एक एक व्यक्ति सरकारी नौकरी कर रहा है तब भी 2.53 करोड़ परिवारों को नौकरी देनी होगी। क

रीब ढाई करोड़ लोगों को नौकरी देकर अगर न्यूनतम वेतन यानी 20 हजार रुपए का महीना दिया जाए तब भी हर महीने 50 हजार करोड़ रुपए यानी छह लाख करोड़ रुपए सालाना की अतिरिक्त न्यूनतम जरुरत होगी। इसके अलावा दूसरे खर्च हैं, जबकि बिहार का बजट इस साल पहली बार तीन लाख करोड़ रुपए से ऊपर गया है। दूसरा सवाल यह भी है कि बिहार की आबादी 13 करोड़ के करीब है और इनमें से अगर पौने तीन करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी दे देंगे तो उनसे क्या काम कराएंगे? हर चार आदमी पर एक आदमी सरकारी नौकरी कर रहा होगा! ध्यान रहे पूरे देश में केंद्र और सभी राज्य सरकारों के कर्मचारियो की संख्या साढ़े चार करोड़ के करीब है और श्री तेजस्वी यादव बिहार में ही पौने तीन करोड़ सरकारी नौकरी देने की बात कर रहे हैं! उनके इस एक वादे ने उनके घोषणापत्र की सारी बातों को आधारहीन बना दिया। इसी कारण राष्ट्रीय जनता दल के सहयोगियों को भी इस पर भरोसा नहीं है और जब उनको भरोसा नहीं है तो बिहार की जनता कैसे भरोसा करेगी!

इसकी तुलना में अब एनडीए की घोषणापत्र की बात करें, जिसे संकल्प पत्र के रूप में प्रश्तुत किया गया तो दोनों में अंतर साफ साफ दिखाई देता है। एनडीए के संकल्प पत्र की शुरुआत एक करोड़ नौकरी और रोजगार देने के वादे से हुई है। पांच साल में सरकार एक करोड़ नौकरी और रोजगार देगी। यानी हर साल 20 लाख लोगों को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का रोडमैप है। नीतीश कुमार की सरकार ने पिछले पांच साल में 10 लाख सरकारी नौकरी दी है और 50 लाख रोजगार मुहैया कराया है।

इसलिए अगले पांच साल में एक करोड़ नौकरी और रोजगार का वादा सचाई के नजदीक दिखाई देता है और लोग इस पर भरोसा कर सकते हैं। ध्यान रहे बिहार में तैयार किए गए बुनियादी ढांचे की वजह से पहली बार बिहार में निजी निवेश का राश्ता खुला है। 50 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का निजी निवेश बिहार में आ रहा है और बिहार की जीडीपी में उद्योग सेक्टर की हिस्सेदारी 26 फीसदी से ज्यादा हो गई है। इसलिए अगले पांच साल में रोजगार के अवसर बनेंगे और सरकार नौकरियां देने में भी सक्षम होगी।

इसी तरह एनडीए के संकल्प पत्र में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की महिलाओं को सशक्त बनाने की योजनाओं पर खास ध्यान दिया गया है। महिलाओं के लिए कई घोषणाएं की गई हैं और लगभग सारी घोषणाएं ऐसी हैं, जिनको पूरा किया जा सकता है। उदाहरण के लिए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को दो लाख रुपए तक की सहायता का वादा किया गया है। ध्यान रहे चुनाव से पहले ही सरकार ने महिला उद्यमी योजना के तहत महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए भेजे हैं। इसी योजना को आगे बढ़ाया जाएगा।

इसी तरह एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी योजना के तहत लखपति बनाने का वादा किया गया है। ध्यान रहे केंद्र की श्री नरेंद्र मोदी सरकार की लखपति दीदी योजना के तहत करोड़ों महिलाओं को लखपति बनाया जा चुका है। इसलिए इस वादे पर भी बिहार की महिलाएं निश्चित रूप से भरोसा करेंगी। महिला उद्यमियों को करोड़पति बनाने का वादा भी किया गया है। महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नीतीश कुमार ने पहले कार्यकाल में पोशाक और साइकिल की योजना शुरू की थी। अब एनडीए ने वादा किया है कि हर जिले में महिला छात्रावास खोले जाएंगे।

बिहार की एक बड़ी समस्या हर साल आने वाली बाढ़ है। इस बार एनडीए के घोषणापत्र में बाढ़ की समस्या पर रोक लगाने का वादा किया गया है। साथ ही नदी जोड़ योजना के तहत कृषि योग्य सिंचित जमीन का एरिया बढ़ाने का वादा भी किया गया है। उद्योग के क्षेत्र में एक लाख करोड़ रुपए का निवेश करके कृषि आधारित उद्योगों और अन्य उद्योगों को बढ़ावा देने का वादा किया गया है।

यह ध्यान रखने की बात है कि बिहार में बाढ़ की समस्या नेपाल से पानी छोड़े जाने की वजह से है। कोशी को बिहार का शोक कहते हैं और उसमें हर साल नेपाल के पानी की वजह से बाढ़ आती है। नेपाल के साथ वार्ता करके इस समस्या से बिहार को छुटकारा दिलाने का काम केंद्र सरकार के सहयोग के बगैर नहीं हो सकता है। बिहार की डबल इंजन सरकार को यह एडवांटेज है कि वह नेपाल से वार्ता करके वाढ़ की समस्या समाप्त करे और सिंचित क्षेत्र बढ़ा कर बिहार में कृषि व कृषि आधारित उद्योगों के लिए आदर्श स्थितियां बनाएं। कृषि के साथ मत्स्य पालन को बढ़ावा देने और इनके उत्पादों के निर्यात की सुविधा विकसित करने का वादा भी किया गया है।

एनडीए के संकल्प पत्र में 50 लाख पक्के मकान बना कर गरीबों, वंचितों को सौंपने का वादा किया गया है। यह वादा भरोसे के लायक इसलिए है क्योंकि प्रधानमंत्री शहरी व ग्रामीण आवास योजना के तहत करोड़ों लोगों को पक्का मकान मिल चुका है। इसी तरह पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने का वादा किया गया है। यह भी आजमाया हुआ वादा है क्योंकि आयुष्मान भारत योजना के तहत लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। बिहार की श्री नीतीश कुमार सरकार ने जुलाई के महीने से ही 125 यूनिट बिजली फ्री कर दी है, जिसे आगे भी जारी रखने का वादा किया गया है।

अगर शिक्षा के क्षेत्र में बात करें तो सबसे पहले सरकार एक लाख 60 हजार शिक्षकों की नियुक्ति करेगी। इस मामले में श्री नीतीश कुमार की सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड बहुत शानदार रहा है। उन्होंने पांच लाख के करीब शिक्षक नियुक्त किए हैं। शिक्षकों की नियुक्ति के साथ साथ एनडीए ने हर जिले में स्कूलों का कायाकल्प करने का वादा किया है।

इसके अलावा नेतरहाट की तर्ज पर आवासीय विद्यालय खोलने और कृत्रिम बुद्धिमता यानी एआई के सेंटर बनाने का वादा भी किया गया है। युवाओं में कौशल विकास के केंद्र खोलने का वादा भी किया गया है। केंद्र सरकार की योजना का विश्तार करते हुए बिहार में पहली नौकरी पर 15 लाख युवाओं को 15 हजार रुपए दिए जाएंगे।

स्नातक और पीजी की पढ़ाई करने वाले युवाओं को नौकरी मिलने तक 24 हजार रुपए रुपए साल के मिलेंगे। इस बीच उनको नौकरी या रोजगार के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। नई सरकार ने हर जिले में मेडिकल क़ॉलेज खोलने का संकल्प जताया है। इसलिए चाहे रोजगार का मामला हो या शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग या महिला व युवा सशक्तिकरण का वादा हो, एनडीए का घोषणापत्र जमीनी वाशतविकताओं पर आधारित है।

एनडीए की ओर से ऐसे वादे किए गए हैं, जिनसे डबल इंजन की सरकार की निरंतरता का आभास होता है। दूसरी ओर महागठबंधन का घोषणापत्र झूठ का पुलिंदा दिखाई दे रहा है, जिसका एकमात्र मकसद किसी तरह से सत्ता हासिल करके बिहार को फिर से जंगल राज और लूट राज की ओर ले जाना है।

इसलिए बिहार के मतदाताओं को लिए चुनाव कोई मुश्किल नहीं होगा। वे छह अक्टूबर को शासन की निरंतरता चुनेंगे और संकल्प को सिद्ध करने के पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार की उपलब्धियों को ध्यान में रख कर मतदान करेंगे।

विकसित भारत 2047 : करुणा, सह-अस्तित्व और पर्यावरणीय नैतिकता का नया घोष

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत जब अपने स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है, तो यह केवल आर्थिक विकास का लक्ष्य नहीं, बल्कि एक नैतिक, संतुलित और मानवीय समाज के पुनर्निर्माण का संकल्प भी है।

परंतु यह संकल्प तभी सार्थक होगा जब विकास का आधार केवल मनुष्य नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के कल्याण पर टिका हो। आज जब "विकसित भारत" की बात होती है, तो उसका दायरा उद्योग, प्रौद्योगिकी, अवसंरचना और आय वृद्धि तक सीमित दिखाई देता है। परंतु एक सच्चा विकसित राष्ट्र वह होगा, जहाँ करुणा, सह-अशितत्व और दया जैसे मानवीय गुण नीतियों और योजनाओं की आत्मा बनें।

भारत का संविधान इस दृष्टि का पथप्रदर्शक है। अनुच्छेद 48(क) राज्य को पर्यावरण और वन्य जीवों की रक्षा करने का निर्देश देता है, जबकि अनुच्छेद 51(क)(छ) प्रत्येक नागरिक का यह मूल कर्तव्य बताता है कि वह जीवित प्राणियों के प्रति करुणा रखे।

ये प्रावधान केवल क़ानूनी नियम नहीं, बल्कि उस सभ्यतागत विचारधारा की पहचान हैं जो अहिंसा, दया और "वसुधैव कुटुम्बकम्" के सिद्धांतों पर आधारित है। भारत की संस्कृति सदियों से यह सिखाती आई है कि सृष्टि में हर जीव का अपना सम्मान, उद्देश्य और अधिकार है।

फिर भी, आधुनिक विकास की दौड़ में पशु कल्याण का स्थान कहीं पीछे छूट गया है। औद्योगिकीकरण, नगरीकरण और अंधाधुंध उपभोग की होड़ ने न केवल प्राकृतिक संसाधनों को प्रभावित किया है, बल्कि असंख्य पशु प्रजातियों के अशितत्व को भी संकट में डाल दिया है।

गिद्धों की घटती संख्या, हाथियों और तेंदुओं के आवासों का सिकुड़ना, समुद्री जीवों पर प्रदूषण का प्रभाव-ये सब इस असंतुलन के द्योतक हैं। जब किसी पारिस्थितिकी तंत्र से एक भी प्रजाति विलुप्त होती है, तो उसका प्रभाव पूरे पर्यावरण और मानव जीवन पर पड़ता है।

विकास के नाम पर जब हम जंगलों को काटते हैं, नदियों को प्रदूषित करते हैं और जानवरों के प्राकृतिक निवास को नष्ट करते हैं, तो यह केवल प्रकृति का नुकसान नहीं बल्कि स्वयं मानवता की जड़ों को कमजोर करना है। इसलिए आवश्यक है कि भारत का "विकसित भारत 2047" का दृष्टिकोण केवल मनुष्य की भौतिक समृद्धि पर न टिके, बल्कि सभी प्राणियों के कल्याण को अपना मूल ध्येय बनाए।

पशु कल्याण को भारत के विकास दृष्टिकोण में शामिल करना केवल संवेदनशीलता का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह स्थायी विकास की शर्त है। भारत के ग्रामीण जीवन में पशुधन अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। करोड़ों परिवार पशुओं से प्राप्त दूध, ऊन, अंडे और अन्य उत्पादों पर निर्भर हैं।

यदि इन पशुओं की देखभाल, आहार, स्वास्थ्य और व्यवहारिक सम्मान का ध्यान रखा जाए, तो उत्पादकता बढ़ेगी और ग्रामीण आय में स्थायित्व आएगा। मानवीय पशुपालन और संसाधनों के संतुलित उपयोग से भूमि की उर्वरता, जल की गुणवत्ता और पर्यावरण की स्थिरता को भी लाभ होता है।

इसके साथ ही, पशु कल्याण का संबंध जनस्वास्थ्य से भी प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। कोविड महामारी और निपाह वायरस जैसी घटनाओं ने यह प्रमाणित किया है कि पशु स्वास्थ्य, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण-ये तीनों एक दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। यदि किसी एक क्षेत्र में असंतुलन होता है, तो उसका प्रभाव बाकी दोनों पर पड़ता है। इसीलिए आवश्यक है कि पर्यावरण, कृषि और स्वास्थ्य मंत्रालय मिलकर "एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण" की भावना को नीति श्तर पर लागू करें।

पशु कल्याण के दृष्टिकोण को शिक्षा, शहरी नियोजन, और उद्योग में भी स्थान मिलना चाहिए। विद्यालयों के पाठ्यक्रम में यदि सभी जीवों के प्रति करुणा और सह-अशितत्व के मूल्य सिखाए जाएँ, तो आने वाली पीढ़ियाँ स्वभावतः संवेदनशील बनेंगी। शहरी योजनाओं में वन्यजीव गलियारे, सड़कों पर पशु-पार मार्ग और आवारा पशुओं के लिए मानवीय व्यवस्था शामिल की जानी चाहिए। दिल्ली-मुंबई राजमार्ग पर वन्यजीवों के लिए बनाए गए मार्ग इस दिशा में प्रेरक उदाहरण हैं।

भारत को अपने पुराने पशु संरक्षण कानूनों को भी अद्यतन करना चाहिए। "पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960" को समयानुकूल संशोधन की आवश्यकता है ताकि दंडात्मक प्रावधान कठोर हों और उनका प्रभाव वाशतविक रूप से दिखाई दे। इसके अतिरिक्त, पशु चिकित्सा सेवाओं का विश्तार और वैज्ञानिक देखरेख से पशुधन की गुणवत्ता में सुधार संभव है।

तकनीकी नवाचार भी इस क्षेत्र में सहायक हो सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, उपग्रह मानचित्रण और इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा प्रणालियाँ वन्यजीव संरक्षण में क्रांतिकारी भूमिका निभा रही हैं। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में ई-निगरानी प्रणाली ने शिकार की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी की है। यह इस बात का प्रमाण है कि विज्ञान और करुणा का संयोजन हमारे पर्यावरण और जीवों के संरक्षण में सबसे प्रभावी उपाय बन सकता है। पशु आधारित उद्योगों (जैसे दुग्ध, चमड़ा और वस्त्र) में "क्रूरता रहित उत्पादन" को बढ़ावा देने से न केवल नैतिक व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि अंतरराष्ट्रीय श्तर पर भारत की प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। उपभोक्ताओं के बीच भी यह जागरूकता फैलानी होगी कि नैतिक उत्पादों का चयन एक सामाजिक उत्तरदायित्व है।

भारतीय दर्शन "अहिंसा परमो धर्मः" और "सर्वे भवन्तु सुखिनः" केवल धार्मिक वाक्य नहीं हैं, बल्कि स्थायी जीवन का सूत्र हैं। "मिशन जीवनशैली" (जो पर्यावरण-अनुकूल जीवन अपनाने पर बल देता है) के साथ यदि पशु कल्याण को भी जोड़ा जाए, तो भारत एक ऐसे राष्ट्र के रूप में उभरेगा जो विकास को करुणा के साथ जोड़ता है।

विकसित भारत का अर्थ तब ही सार्थक होगा जब विकास के पैमाने में केवल उत्पादन या आय नहीं, बल्कि नैतिकता, संवेदनशीलता और सह-अशितत्व भी शामिल हों। हमें यह स्वीकार करना होगा कि इस पृथ्वी पर मनुष्य अकेला स्वामी नहीं है। हर जीव, चाहे छोटा हो या बड़ा, जीवन की शृंखला का एक आवश्यक हिस्सा है।

"सर्व भूत हित" की भावना (अर्थात सभी प्राणियों के कल्याण की भावना) भारत की आत्मा में सदैव विद्यमान रही है। इसी भावना को आधुनिक नीति, प्रौद्योगिकी और शिक्षा में एकीकृत करने की आवश्यकता है।

जब भारत इस दिशा में आगे बढ़ेगा, तभी वह न केवल समृद्ध, बल्कि सच्चे अर्थों में सभ्य और संवेदनशील राष्ट्र कहलाएगा। विकसित भारत 2047 का वाशतविक अर्थ यही होगा-एक ऐसा भारत जो प्रगति के साथ करुणा को, विज्ञान के साथ संवेदना को, और विकास के साथ नैतिकता को लेकर चले। यही होगा उस स्वर्णिम युग का आरंभ, जहाँ हर प्राणी सुरक्षित, सम्मानित और सुखी होगा।

विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा जब हम यह समझेंगे कि विकास का असली पैमाना करुणा और नैतिकता है। जब भारत अपने विकास के पथ पर सभी प्राणियों को साथ लेकर चलेगा, तभी वह "विश्वगुरु" कहलाने का अधिकार पाएगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेलः** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

चिकित्सक का ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेना पड़ा भारी...खाते से निकल गए 50 हजार, जांच में जुटी पुलिस

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना शाहगंज क्षेत्र के एक युवक को चिकित्सक का ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेना महंगा पड़ गया। साइबर ठगों ने खाते से 50 हजार रुपये पार कर दिए। पीड़ित ने साइबर थाने में केस दर्ज कराया है। नरीपुरा के रोहित नगर निवासी बृजेश कुमार ने पुलिस को बताया कि बेटे का न्यूरो फिजीशियन से इलाज चल रहा है। 24 अक्टूबर को डॉ. एसपी सिंह की वेबसाइट पर जाकर नंबर सर्च किया। उस नंबर पर कॉल किया, तो कुछ देर बाद ही व्हाट्सअप नंबर पर मैसेज आया। मैसेज में एक एप डाउनलोड कर पांच रुपये जमा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने एप डाउनलोड कर पैसे ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद उनका मोबाइल हैक हो गया और केनरा बैंक के खाते से 50 हजार रुपये कट गए।

वाराणसी में हादसा: दो लोगों की मौत...वाहन लेकर भागा चालक, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

वाराणसी, एजेंसी। लोहता थाना क्षेत्र के खेवशीपुर गांव के सामने रिंगरोड फेज टू पर बीती की रात में एक बजे किसी वाहन के टक्कर से टीवीएस एक्सल सवार दो लोग घायल हो गए। एक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरे घायल व्यक्ति ने अस्पताल जाते समय दम तोड़ दिया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जंसा थाना क्षेत्र के भडाव गांव के सहती यादव (52) तथा रामविलास गुप्ता (40) टीवीएस एक्सल से अकेलवा से लोहरापुर जा रहे थे। रिंग रोड पर किसी वाहन से टक्कर हो गई। हादसे में रामविलास गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने सहती यादव को दिनदयाल हास्पिटल के लिए भेजा। रास्ते में उसने भी दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी राजबहादुर मौर्य ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वाहन के बारे में पता लगाया जा रहा है कि कैसे यह हादसा हुआ है।

हाईवे पर पति के सामने गर्भवती को लोडर वाहन ने रौंदा, इलाज के दौरान महिला की मौत

आगरा, एजेंसी। पति के साथ सिरसागंज से आगरा आ रही गर्भवती की शुक्रवार को लंगड़े की चौकी के पास तबीयत खराब हो गई। पति ने बाइक को हाईवे किनारे रोक दिया। उसी समय पीछे से आए लोडर वाहन ने महिला को टक्कर मारी दी। एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया है। फिरोजाबाद के सिरसागंज के नराला निवासी सीटू ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार दोपहर गर्भवती पत्नी किरन को साथ लेकर आगरा आ रहे थे। लंगड़े की चौकी फुट ओवरब्रिज के पास पत्नी ने तबीयत खराब होना बताया। उन्होंने बाइक को किनारे रोक दिया। पत्नी बाइक का सहारा लेकर खड़ी हो गई। वह पानी लेने के लिए बाइक से थोड़ी दूर जाकर आसपास देख रहे थे। उसी समय पीछे से तेज रफ्तार लोडर वाहन आया और पत्नी को चपेट में ले लिया। आसपास मौजूद लोग आ गए। उन्होंने पुलिस का सूचना देकर बुलाया। इसके बाद पत्नी को इलाज के लिए एसएन इमरजेंसी ले गए लेकिन जान नहीं बची। हरीपर्वत थाना प्रभारी का कहना है कि आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। वाहन को सीज कर दिया गया है।

मानदेय न मिलने से खफा आशा कार्यकर्ताओं ने नहीं किया काम

औरास , एजेंसी। दो माह से मानदेय न मिलने से खफा आशा कार्यकर्ताओं ने काम करने से मना कर दिया। शनिवार को सीएचसी पहुंचीं कार्यकर्ताओं ने सीएचसी प्रभारी को सूचना देकर लौट गईं। ब्लॉक के 92 राजस्व व 138 मजरों की एक लाख 95 हजार की आबादी पर 154 आशा कार्यकर्ता तैनात हैं। इनको सितंबर और अक्तूबर का मानदेय नहीं मिला है। इससे नाराजगी है। शनिवार को 20 से अधिक आशा कार्यकर्ता सीएचसी पहुंचीं और सीएचसी प्रभारी अनूप तिवारी को काम न करने की सूचना देकर चली गईं। आशा बहु कल्याण समिति की अध्यक्ष पुष्पा सिंह ने बताया कि बताया दो माह से मानदेय नहीं मिला है। इससे परिवार चलाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। मानदेय न मिलने से दिवाली की रौनक भी कम हो गई थी। सीएचसी प्रभारी डॉ. अनूप तिवारी ने बताया आशा कार्यकर्ता काम न करने की सूचना देकर चली गईं। इससे जननी सुरक्षा योजना, टीकाकरण आदि स्वास्थ्य सेवाएं बाधित होंगी। क्षेत्र की 22 एएनएम और 13 सीएचओ को निर्देश दिया गया है कि कहीं भी सेवाएं प्रभावित न होने पाएं, इस पर पूरी नजर बनाएं रहे।

रोहित नहीं वाहिद निकला प्रेमी, आधार कार्ड से खुलासा,

नहीं थे बच्चे और रोज होता था झगड़ा

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में रायपुरवा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुरवा में आपसी सहमति से प्रेमी संग रह रही महिला की प्रेमी ने दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या के बाद शव तख्त के नीचे छिपा दिया। वारदात के बाद घर पर बाहर से ताला डालकर भाग निकला। शनिवार की सुबह घर से दुर्गंध आने की सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने ताला तोड़कर घर की तलाशी ली, तो तख्त के नीचे चादर से छिपाया गया महिला का अर्द्धनग्न शव मिला। उसका मोबाइल फोन भी गायब था। पड़ोसियों ने आरोपी प्रेमी को 29 अक्तूबर की तड़के घर के बाहर बैठे देखा था। इसके बाद से घर पर ताला लटक रहा है। पुलिस ने हत्यारोपी प्रेमी की तलाश में टीम लगाई हैं। शक्कर मिल खलवा निवासी आशादेवी की बेटी भारती गौतम (35) आठ साल पहले रोहित उर्फ दिलीप कुमार उर्फ वाहिद के साथ चली गई थी। वाहिद नौबस्ता के मछरिया का रहने वाला है।

दोनों के रिश्तेदारी में जाने की आशंका थी: आशा की बहन ऊषा के पीरोड निवासी बेटे सोनू ने बताया कि सात महीने पहल आशादेवी की बीमारी से मौत हो गई थी। इसके बाद भारती, रोहित के साथ उन्हीं के बस्ती स्थित घर में रहने आ गई थी। पड़ोसी किशनलाल ने पुलिस को बताया कि बुधवार सुबह से भारती के गेट पर ताला लगा हुआ था। दोनों के कहीं रिश्तेदारी में जाने की आशंका थी।

चादर से ढककर छिपाया गया शव मिला : शनिवार सुबह से भारती के घर से तेज दुर्गंध आ रही थी। गेट से झांकने पर जीने पर खून बहता दिखा। पुलिस को सूचना दी गई। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह, एसीपी सीसामऊ मंजय सिंह रायपुरवा थाना फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। ताला तोड़कर पुलिस अंदर दाखिल हुए, तो पहले कमरे में तखत के नीचे चादर से ढककर छिपाया गया भारती का शव मिला।

आरोपी की तलाश में जुटीं तीन टीमें : डीसीपी ने बताया कि महिला की हत्या गला घोंटकर की गई है। दोनों में आए दिन किसी न किसी बात को लेकर विवाद की जानकारी मिली है। मौके से एक वाहिद नाम का आधार कार्ड मिला है। जांच की जा रही है कि क्या रोहित ही वाहिद है। आरोपी की तलाश में तीन टीमें लगाई गई हैं।

रोहित का वाहिद होना तो नहीं झगड़े की जड़ : पुलिस को जांच के दौरान कमरे से वाहिद के नाम का एक आधार कार्ड पड़ा मिला, जबकि मोहल्ले के लोगों को आरोपी प्रेमी की पहचान रोहित या दिलीप कुमार से ही है। ऐसे में मोहल्ले में चर्चा रही कि रोहित का वाहिद होना ही तो दोनों के बीच झगड़े की जड़ नहीं...।

असली नाम वाहिद है या नहीं : वहीं, कुछ लोगों ने भारती के परिजनों को इसकी पहले से जानकारी की बात कही। फिलहाल, पुलिस दोनों ही एंगल पर जांच कर रही है। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी का असली नाम वाहिद है या नहीं इसकी जांच की जा रही है।

मेरी बेटी को दहेज के लिए मार डाला: पिता ने लगाए आरोप, शादी के पांच महीने बाद विवाहिता की मिली लाश; रपट दर्ज

गाजीपुर, एजेंसी। कासिमाबाद कोतवाली क्षेत्र के गंगौली गांव में बीती रात विवाहिता प्रियंका यादव (20) का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला। मृतका के पिता की तहरीर पर पुलिस ने दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, गंगौली गांव निवासी प्रमोद यादव पुत्र बहादुर यादव के घर शनिवार की रात भोजन के बाद सभी लोग सोने चले गए थे। रात करीब बारह बजे घर के अंदर पाइप में लगे पंखे से प्रियंका यादव (20) पत्नी प्रमोद का शव साड़ी के सहारे फंदे से लटका मिला। परिजनों के रोने-बिलखने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए। मृतका के पति प्रमोद यादव ने बताया कि शनिवार को उसकी चचेरी बहन घर आई थी, जिस कारण वह अपनी पत्नी के साथ नहीं था। दोनों बहनें अलग कमरे में सोई थीं। वहीं, मृतका के पिता कृपाल यादव निवासी रौरा चंवर थाना रसड़ा, (बलिया) ने बताया कि रात करीब दो बजे सूचना मिली कि उनकी बेटी प्रियंका फंदे से लटकी हुई है और उसकी सांसें चल रही हैं। जब वे मौके पर पहुंचे तो घर के सभी लोग फरार थे। बेटी का शव एक चौकी पर पड़ी हुई थी।

पांच महीने पहले हुई थी शादी : राम कृपाल यादव ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी की शादी एक जून 2025 को धूमधाम से हुई थी। शादी के बाद से ही पति प्रमोद यादव और बड़ा भाई संतोष यादव दहेज की मांग को लेकर आए दिन मारपीट करता था। एक दिन पूर्व भी दोनों के बीच विवाद हुआ था।

बेटी मायके लौटने निकली थी, लेकिन पति उसे बीच रास्ते से घर वापस ले आया। मृतका के पिता की आरोप लगाया है कि प्रियंका का गला दबा कर हत्या की गई है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नंदकुमार तिवारी ने बताया कि पिता की तहरीर पर पुलिस ने पति व अन्य पर दहेज हत्या का मामला दर्ज करने की कार्रवाई में जुटी है है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है

चौबारी मेला: बरेली में तीन से पांच नवंबर तक रूट डायवर्जन, पांच सौ पुलिसकर्मी संभालेंगे सुरक्षा व्यवस्था

बरेली , एजेंसी। बरेली में कार्तिक पूर्णिमा पर रामगंगा के चौबारी घाट पर लगने वाले मेले के मद्देनजर पुलिस ने डायवर्जन प्लान जारी किया है। इस दौरान बदायूं की ओर जाने और उधर से आने वाले भारी वाहन व रोडवेज बसें प्रभावित होंगी। एसपी ट्रैफिक अकमल खान ने बताया कि तीन नवंबर को सुबह आठ से पांच नवंबर को रात 10 बजे तक भारी वाहनों को डायवर्ट किया गया है। जाम से निपटने के लिए पार्किंग की व्यवस्था भी की जा रही है।

बदायूं से भमोरा, देवचरा, दातागंज, फतेहगंज पूर्वी, फरीदपुर, बड़ा बाइपास होते हुए भारी वाहन व रोडवेज बसें शहर में आ सकेंगी। बदायूं से लखनऊ, शाहजहांपुर, पीलीभीत की ओर जाने वाले भारी वाहन व रोडवेज बसें देवचरा, दातागंज, फतेहगंज पूर्वी, बड़ा बाइपास होते हुए गुजरेंगी। लखनऊ, शाहजहांपुर की ओर से बदायूं की ओर जाने वाले भारी वाहन, रोडवेज बसें फतेहगंज पूर्वी, दातागंज, देवचरा, भमोरा होते गुजरेंगी।

यहां से गुजारे जाएंगे वाहन: पीलीभीत, नैनीताल की ओर से बदायूं की ओर जाने वाले भारी वाहन, रोडवेज बसें बड़ा बाइपास, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी, दातागंज, देवचरा, भमोरा होते हुए बदायूं जा सकेंगी। दिल्ली, मुरादाबाद, रामपुर की ओर से बदायूं जाने वाले भारी वाहन झुमका तिराहे से बड़ा बाइपास, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी, दातागंज, भमोरा होते हुए बदायूं जा सकेंगे।

लखनऊ, शाहजहांपुर की ओर से दिल्ली, रामपुर, मुरादाबाद जाने वाले भारी वाहन फतेहगंज पूर्वी, बड़ा बाइपास, विलयधाम, बिलवा, झुमका तिराहा होते हुए गुजरेंगे। देवचरा से कोई भी भारी वाहन रामगंगा की ओर नहीं आ सकेगा। चौपुला व बुखारा मोड़ की ओर से कोई भी भारी वाहन रामगंगा की ओर नहीं जा सकेगा।

पांच सौ पुलिसकर्मी संभालेंगे मेले की सुरक्षा व्यवस्था : चौबारी मले की सुरक्षा व्यवस्था के नोडल एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि पांच सौ पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने टीम के साथ शुक्रवार को मेला स्थल का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि कोतवाली के इंस्पेक्टर राजीव कुमार सिंह को मेला प्रभारी बनाया गया है। सीओ फरीदपुर, सीओ ट्रैफिक और सीओ प्रथम को भी तैनात किया गया है। मेले में 16 इंस्पेक्टर, 50 दरोगा, 210 मुख्य आरक्षी और आरक्षी, एक कंपनी पीएसी, एक प्लाटून फ्लड पीएसी, 50 महिला पुलिसकर्मी, एक एंटी रोमियो दस्ता, आठ घुड़सवार पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

रेलवे स्टेशन के लिफ्ट में फंस गए 3 बच्चों संग 10 यात्री, 25 मिनट अटकी रही

गोरखपुर , एजेंसी। रेलवे स्टेशन पर शनिवार को एक परिवार सहित 10 यात्री लिफ्ट में करीब 25 मिनट तक फंसे रहे। लिफ्ट में तीन बच्चे भी थे, जो पसीने से तर-बतर होने के बाद घबरा गए। जीआरपी के दो पुलिसकर्मियों के प्रयास से करीब 25 मिनट बाद दरवाजा खुला तो सभी बाहर आ सके।

बताया जा रहा है कि तकनीकी खराबी की वजह से लिफ्ट बंद हो गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने जांच के आदेश दे दिए हैं। शनिवार सुबह प्लेटफॉर्म नंबर छह पर लगे लिफ्ट में एक परिवार के पांच लोग और पांच अन्य यात्री फुट ओवरब्रिज पर जाने के लिए चढ़े।

एक नंबर बटन दबाने के बाद दरवाजा बंद हो गया लेकिन लिफ्ट ऊपर की ओर नहीं जा रही थी। लखनऊ से गोरखपुर पहुंचे गुठनी, सिवान के विवेकानंद जायसवाल ने बताया कि करीब 25 मिनट तक फंसे रहे। उनके साथ एक परिवार के दंपती और उनके तीन बच्चे भी थे।

जब 10 मिनट तक लिफ्ट ऊपर नहीं गया तो सब परेशान हो गए। अफनाहट भी होने लगी। उन्होंने बताया कि बच्चे घबराकर रोने लगे। इसके बाद विवेकानंद ने लिफ्ट में मदद के लिए लिखे गए मोबाइल नंबर पर फोन किया तो रिसीव नहीं हुआ।

इसके बाद गूगल से जीआरपी का नंबर निकालकर फोन किया तो दो पुलिसकर्मी मौके पर आए। इसी दौरान ऑपरेटर भी आ गए। करीब 25 मिनट बाद दरवाजा खुला तो सभी बाहर आ सके। गनीमत रहा कि सभी लोग सकुशल बाहर निकल गए।

प्रॉपर्टी डीलर हत्याकांड का खुलासा, आरोपी दीपक गोस्वामी गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

ग्रेटर नोएडा के थाना बादलपुर क्षेत्र में शनिवार को हुए एक प्रापर्टी डीलर हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक पिस्टल, तीन कारतूस, दो मोबाइल फोन व बाइक बरामद की है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान दीपक गोस्वामी निवासी महामेधा वाली गली सूरजपुर के रूप में हुई है।

आरोपी मूलरूप से गांव रोहटा मीरपुर मेरठ का निवासी है। प्रारंभिक तौर पर यह मामला संपत्ति विवाद या आपसी रंजिश का लग रहा था, जिसने इलाके में दहशत फैला दी थी। लेकिन जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि एक तरफा प्यार के मामले में इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया है।

एसपी नगर सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन ने बताया कि 31 अक्तूबर को डायल-112 नंबर पर पुलिस को सूचना मिली कि एक अज्ञात व्यक्ति सड़क किनारे लहूलुहान अवस्था में पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल भेजा। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। मृतक की पहचान महीपाल सिंह गांव बंबावड़ दादरी के रूप में हुई थी। वादी की तहरीर पर बादलपुर कोतवाल में मृतक के भाई की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ हत्या की धाराओं में केस दर्ज किया गया था।

डीसीपी ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त के निर्देशन पर छह टीमों का गठन किया गया था। टीमों ने 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और स्थानीय खुफिया तंत्र की मदद से महज दो दिनों में आरोपी को धर दबोचा। उन्होंने बताया कि रविवार को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर धूम बाईपास अंडरपास के पास से आरोपी दीपक गोस्वामी को गिरफ्तार किया है।

डीसीपी ने बताया कि पुलिस पूछताछ में आरोपी ने चैंकाने वाला खुलासा किया है। दीपक गोस्वामी बी-फार्मा तृतीय वर्ष का छात्र है।

वर्ष-2022 से ग्रीड फार्मा कंपनी गामा-1 एवं कदंबा मार्केट में बतौर एमआर (मार्केट रिप्रजेंटेटिव) कार्य करता है। जिससे वह प्रतिमाह 20-30 हजार रुपये प्रतिमाह कमाता है। आरोपी की मुलाकात महीपाल की पुत्री से इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी। धीरे-धीरे दोनों में बातचीत बढ़ी और दीपक उससे शादी करने की इच्छा जताने लगा। लेकिन महीपाल व उनकी बेटी ने शादी से इंकार कर दिया।

कुछ माह पहले महीपाल ने अपनी बेटी की शादी कहीं और तय कर दी थी। मृतक की 10 दिसंबर को दो बेटियां की शादी तय है। इनमें छोटी बेटी से आरोपी एक तरफा प्रेम करता था। पुत्री की शादी तय करने की जानकारी मिलने पर दीपक बुरी तरह भड़क गया था। उसने महीपाल को अंजाम भुगतने की धमकी दी थी। जिसकी जानकारी महीपाल ने अपने परिवार को दी थी, लेकिन लोकलाज के चलते उन्होंने पुलिस में शिकायत नहीं की। उन्होंने बताया कि दीपक ने करीब डेढ़ महीने तक दवाइयों की मार्केटिंग के बहाने तिलपता, खेरपुरा, वेदपुरा, बंबावड़, सादुल्लापुर और दादरी के इलाके में लगातार आना-जाना किया। इस दौरान उसने महीपाल की दिनचर्या, मिलने-जुलने वालों और आने-जाने के राश्तों की बारीकी से रेकी की।

वह अक्सर एक दुकान पर सिगरेट पीने के बहाने कई घंटे बैठा रहता और महिपाल पर नजर रखता था। घटना वाले दिन दीपक को महीपाल अकेले सुनसान जगह पर दिखा, तो उसने मौका देखकर पिस्टल से गोली मार दी। हत्या के बाद मृतक का मोबाइल फोन मौके से उठा ले गया। जिससे पहचान में देर हो और पुलिस गुमराह हो जाए।

खेरेश्वर चौराहे पर थार सवारों ने की फायरिंग, प्रॉपर्टी डीलर घायल, तीन टीमें बनीं

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ में लोधा थाना अंतर्गत खेरेश्वर चौराहे पर 31 अक्तूबर रात थार गाड़ी सवार लोगों ने कार सवार एक प्रॉपर्टी डीलर पर फायरिंग कर दी। छर्रे लगने से प्रॉपर्टी डीलर घायल हो गया, जिसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस घटना के पीछे थार गाड़ी से बाइक टकराने के विवाद को कारण बता रही है।

लोधा के गांव केशोपुर जोफरी निवासी प्रॉपर्टी डीलर राहुल तोमर (30) पुत्र राजवीर सिंह ने दी तहरीर में बताया वह ओला से बुक की गई कार में बैठकर अपने कुछ काम से अलीगढ़ जा रहे थे, तभी रात करीब रात आठ बजे खेरेश्वर चौराहे के समीप अचानक एक काले रंग की थार गाड़ी उसके पास आकर रुकी। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाते, थार में सवार लोगों ने लगातार तीन फायर झोंक दिए।

उन्होंने बताया कि थार में करीब चार लोग थे और घटना को अंजाम देने के बाद तेज रफ्तार में थार को लेकर फरार हो गए, फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। लोगों की मदद से घायल राहुल को थाने की पुलिस टीम ने उठवाकर नज़दीक स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। प्रॉपर्टी डीलर ने अज्ञात लोगों थार सवारों के खिलाफ तहरीर दी है, पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

थार सवारों की गिरफ्तारी को तीन टीमें गठित : इस संबंध में क्षेत्राधिकारी (गभाना) संजीव कुमार तोमर का कहना है कि खेरेश्वर चौकी के पास हाईवे पर थार गाड़ी में पीछे से एक बाइक टकरा गई, जिसमें दोनों में कहासुनी हो गई, इसके बाद खेरेश्वर नादा की तरफ फिर दोनों में विवाद हो गया। मौके पर थार सवारों पर फायरिंग करने का आरोप है, किसी को गोली नहीं लगी है, डॉक्टरों से चेक कराया गया है। तीन टीमों का गठन किया गया है, जल्द ही थार सवारों को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कृषि विवि में प्रोफेसर के घर चोरी, 40 लाख के जेवर व 1.60 लाख रुपये ले गए, सीसीटीवी में कैद हुए चार चोर

मेरठ, एजेंसी। दौराला थाना क्षेत्र के सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय में चार चोरों ने शनिवार रात चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के लिए गांव गए प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार के फ्लैट का ताला तोड़कर चोरी कर ली। चोर 40 लाख कीमत के आभूषण व अलमारी में रखे 1.60 लाख रुपये ले गए। चारों चोर घर के बाहर लगे सीसीटीवी में कैद हो गए हैं। पीड़ित प्रोफेसर ने थाने पर तहरीर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में लग गई है।

शामली के झिंझाना निवासी प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार ने रविवार को थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि शनिवार शाम वह अपने चेहरे भाई की शादी में शामिल होने के लिए परिवार के साथ गांव गए थे। रात के समय

वापस फ्लैट पर पहुंचे।

उन्होंने देखा कि उनके फ्लैट का मुख्य ताला टूटा हुआ है। वहीं कमरे के अंदर सारा सामान इधर-उधर बिखरा हुआ है। चोरों ने अलमारी का ताला तोड़कर 40 लाख रुपये कीमत के सोने चांदी के जेवर चोरी कर लिए। अंदर का नजारा देखकर प्रोफेसर व उनका परिवार परेशान हो गए। पीड़ित परिवार ने शोर मचा दिया।

शोर सुनकर आसपास के अन्य लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पुलिस पहुंची और मामले की जांच की। घर पर लगे सीसीटीवी में चार चोर फ्लैट के अंदर घुसते हुए दिखाई दे रहे हैं। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है। जल्द चोरों को पकड़ लिया जाएगा।

झोपड़ी में सो रहे बुजुर्ग को मारी गोली, पैदल आए थे तीन बदमाश; तेज आवाज सुन पहुंचे बेटे की निकल पड़ी चीख

जौनपुर, एजेंसी। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र की कड़ैला गांव में बीत रात करीब 11 बजे झोपड़ी में सो रहे 76 वर्षीय एक वृद्ध को तीन लोगों की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने गोली मार गंभीर रूप से घायल कर दिया। देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से एक खोखा भी बरामद किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

कड़ैला गांव के निवासी विनोद कुमार ने बताया कि बीती रात करीब 11 बजे जब वह अपने घर में सो रहे थे तभी उन्हें सूचना मिली कि घर से करीब 50 मीटर दूर झोपड़ी में सो रहे उनके 76 वर्षीय पिता मखन्चु को तीन लोगों ने मार कर घायल कर दिया है। आनन-फानन में विनोद ने मौके पर पहुंचकर देखा तो पिता दर्द से चीख रहे थे। इसके बाद उन्होंने घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस ने पहुंच एंबुलेंस से मखन्चु को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने इलाज के दौरान गोली लगने की पुष्टि की। थोड़ी देर में उनकी मौत हो गई।

उधर जांच पड़ताल में सरायख्वाजा पुलिस ने मौके से एक खोखा भी बरामद कर लिया। प्रभारी निरीक्षक कार्यवाहक प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि घटनास्थल से एक खोखा भी बरामद हुआ है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि करीब 11 बजे थाना सरायख्वाजा के ग्राम कड़ैला में मखन्चू नामक व्यक्ति को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गोली मारने की सूचना पर हम पहुंचे थे। उन्हें उपचार हेतु जिला अस्पताल भिजवाया गया। यहां उपचार के दौरान मखन्चू की मृत्यु हो गई। मृतक के परिजनों की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए घटना के शीघ्र अनावरण हेतु चार टीमों का गठन किया गया है।

दो दशक का सफर पूरा, गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य ने कहा फुटबॉल को अलविदा

नई दिल्ली, एजेंसी। अनुभवी भारतीय गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य ने शनिवार को पेशेवर फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की, जिससे आई-लीग, आईएसएल और राष्ट्रीय टीम में लगभग दो दशकों तक चले उनके शानदार करियर का अंत हो गया। 35 वर्षीय अरिंदम ने एक भावुक पोस्ट में अपने सफर को याद करते हुए लिखा कि, 'यह सब उनके बचपन के उस सपने से शुरू हुआ था। मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के लिए खेलना और बाइचुंग भूटिया का सामना करना।'

'सभी को दिल से धन्यवाद'

अपने कोचों, टीम साथियों, प्रशंसकों और परिवार का धन्यवाद करते हुए अरिंदम ने कहा कि उनका शरीर अब उन्हें बता रहा था कि रुकने का समय आ गया है लेकिन मेरा दिल हमेशा उन गोलपोस्ट के अंदर ही रहेगा। उन्होंने लिखा, 'दो दशक बाद मैं उन ट्रॉफियों, संघर्षों और जख्मों को देखता हूं जो सब कुछ बयां कर देते हैं। लेकिन सबसे बढ़कर मैं उन यादों, सीखों, दोस्ती और आभार को देखता हूं जो हमेशा मेरे साथ रहेंगे।'

कैसा रहा करियर?

टाटा फुटबॉल अकादमी से प्रशिक्षित अरिंदम ने अपने सीनियर करियर की शुरुआत चर्चिल ब्रदर्स से की थी और मात्र 19 वर्ष की उम्र में ही आई-लीग खिताब जीत लिया था। इसके बाद उन्होंने पुणे सिटी एफसी, बेंगलुरु एफसी, मुंबई सिटी और मोहन बागान के लिए भी खेला। उन्होंने 2019-20 सीजन में आईएसएल खिताब जीता और अगले सत्र में 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार प्राप्त किया। साल 2021 में उन्होंने ईस्ट बंगाल की कप्तानी की, जो उनके परिवार का भी एक सपना था। अरिंदम ने भारत के लिए पांच अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और राष्ट्रीय टीम के कई शिविरों का हिस्सा रहे।

20 साल बाद थमा एक युग!

स्टार भारतीय एथलीट रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस को अलविदा कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना ने शनिवार को पेशेवर खेल से संन्यास की घोषणा कर दी। इसी के साथ उनके दो दशक से भी ज्यादा लंबे करियर का अंत हो गया है। रोहन बोपन्ना ने इंस्टाग्राम स्टोर पर संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, 'अलविदा... पर अंत नहीं।

आप किसी ऐसी चीज को कैसे अलविदा कहेंगे, जिसने आपके जीवन को एक अर्थ दिया? हालांकि, टूर पर 20 अविस्मरणीय वर्षों के बाद, अब समय आ गया है। मैं आधिकारिक तौर पर अपना संन्यास ले रहा हूं।' उन्होंने लिखा, 'जब मैं यह लिख रहा हूं, मेरा दिल

एक साथ भारी भी है और आभारी भी। मैंने भारत के कूर्ग जैसे छोटे से शहर से अपनी यात्रा शुरू की। मैंने सर्व को मजबूत करने के लिए लकड़ी के लट्ठे काटे, स्टैमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों में दौड़ा। आज दुनिया के सबसे बड़े एरीना की रोशनी में खड़ा होना किसी सपने जैसा लगता है। ' स्टार खिलाड़ी ने लिखा, 'टेनिस मेरे लिए सिर्फ एक खेल नहीं रहा। इसने मुझे दिशा दी जब मैं भटका हुआ था, हिम्मत दी जब मैं टूटा था, और विश्वास दिलाया जब दुनिया ने मुझ पर शक किया। हर बार जब मैं कोर्ट पर उतरा, इस खेल ने मुझे धैर्य सिखाया, गिरकर दोबारा उठने की ताकत दी और तब लड़ना सिखाया जब अंदर से हार मान लेने का मन हुआ। सबसे बढ़कर, इसने मुझे हमेशा याद दिलाया मैंने क्यों शुरुआत की थी और मैं कौन हूं. यूएस ओपन के फाइनल के अलावा, बोपन्ना तीन और ग्रैंड स्लैम के फाइनल में भी पहुंचे। उन्होंने 2012 और 2015 में महेश भूपति और फ्लोरिन मर्जिया के साथ साल के अंत में हुए एटीपी फाइनल्स के फाइनल मुकाबले में भी हिस्सा लिया था। साल 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल जीतने वाले 45 वर्षीय बोपन्ना ने कई डेविस कप मुकाबलों और ओलंपिक खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। 43 वर्ष की आयु में उन्होंने विश्व नंबर 1 रैंकिंग हासिल की। पुरुष युगल के अलावा, बोपन्ना ने 2017 में फ्रेंच ओपन में मिश्रित युगल भी जीता। रोहन बोपन्ना आखिरी बार पेरिस मास्टर्स 1000 में खेले थे, जहां उन्होंने एलेक्जेंडर बुब्लिक के साथ मिलकर खेला था।

केन विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की है। हालांकि, वे वनडे और टेस्ट में टीम के लिए योगदान देंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि विलियमसन दिसंबर में होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करने के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखला में नहीं खेलेंगे। 2011 में टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने वाले विलियमसन ने 75 मौकों पर न्यूजीलैंड की कप्तानी की और टीम को दो आईसीसी टी20 विश्व कप सेमीफाइनल (2016 और 2022) और एक फाइनल (2021) तक पहुंचाया। 35 वर्षीय विलियमसन 33 की औसत से 2575 रन बनाकर न्यूजीलैंड के दूसरे सबसे अधिक पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

उनके नाम 18 अर्धशतक और 95 का सर्वोच्च स्कोर शामिल है। विलियमसन ने एक बयान में कहा, 'यह कुछ ऐसा है जिसका हिस्सा बनना मुझे लंबे समय से पसंद है और मैं इन यादों और अनुभवों के लिए बहुत आभारी हूं। यह मेरे और टीम के लिए सही समय है। इससे टीम को सीरीज के आगे बढ़ने और अपने अगले प्रमुख लक्ष्य, टी20 विश्व कप, के लिए स्पष्टता मिलती है। वहां बहुत सारी टी20 प्रतिभाएं हैं और अगला दौर इन खिलाड़ियों को क्रिकेट सिखाने और उन्हें विश्व कप के लिए तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

' उन्होंने कहा कि मिचेल एक शानदार कप्तान और उनके नेतृत्व में टीम अपनी क्षमता साबित कर चुकी है। अब इस प्रारूप में ब्लैक कैप्स को आगे बढ़ाने का समय आ गया है और मैं दूर से उनका समर्थन करूंगा। न्यूजीलैंड के सर्वकालिक सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी विलियमसन ने कहा कि वह अपने वनडे और टेस्ट भविष्य को लेकर खुले विचारों वाले हैं और उनका पूरा ध्यान वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी पर है, जो 2 दिसंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि मुझे इस टीम की बहुत परवाह है। ब्लैककैप्स एक खास जगह है और आप इसके लिए खुद को पूरी तरह समर्पित करना चाहते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं।

न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के सीईओ स्कॉट वेनिंक ने कहा कि वह विलियमसन के फैसले का सम्मान करते हैं और टी20 टीम में उनके योगदान की सराहना करते हैं। एक खिलाड़ी के रूप में केन का प्रदर्शन और टी20 टीम के कप्तान के रूप में उनकी सेवा अभूतपूर्व रही है। टी20 विश्व कप फाइनल में उनकी 85 रनों की पारी, न्यूजीलैंड के किसी भी खिलाड़ी द्वारा खेली गई सबसे खास टी20 पारियों में से एक थी। वेनिंक ने कहा कि केन की देखरेख में टी20 टीम ने बेहतरीन निरंतरता और सफलता का अनुभव किया है और वह निश्चित रूप से टीम को अच्छी स्थिति में छोड़कर जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमने केन को स्पष्ट कर दिया है कि अपने शानदार करियर के अंतिम चरण में पहुंचने पर उन्हें हमारा पूरा समर्थन मिलेगा। वह टी20 फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे।

मेसी के भारत दौरे को लेकर बड़ी खबर, केरल की जगह इस शहर का दौरा करेंगे

कोलकाता, एजेंसी। इस दौरे के आयोजक सताद्रू दत्ता ने कहा, 'अब वह दक्षिण भारत भी जायेंगे । दक्षिण भारत के लाखों फुटबॉलप्रेमियों को यह तोहफा होगा। इसके साथ ही भारत के हर कोने को इसमे शामिल किया गया है।'

अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी 'जीओएटी भारत दौरे 2025' पर हैदराबाद भी जायेंगे जिसे केरल में अर्जेंटीना टीम का प्रस्तावित दोस्ताना मैच रद्द होने के बाद कार्यक्रम में शामिल किया गया है । अर्जेंटीना टीम का कोच्चि में प्रस्तावित दोस्ताना मैच रद्द हो गया है । केरल के खेलमंत्री वी अब्दुरहमान ने पहले कहा था कि यह मैच 17 नवंबर को होगा । नये कार्यक्रम के तहत अब मेसी देश के चारों कोनों पूर्व (कोलकाता), दक्षिण (हैदराबाद), पश्चिम (मुंबई) और उत्तर (दिल्ली) जाएंगे। इस दौरे के आयोजक सताद्रू दत्ता ने कहा, 'अब वह दक्षिण भारत भी जायेंगे । दक्षिण भारत के लाखों फुटबॉलप्रेमियों को यह तोहफा होगा। इसके साथ ही भारत के हर कोने को इसमे शामिल किया गया है। मैं चाहता हूं कि पूरा भारत इसका हिस्सा हो ।

केरल का मैच रद्द होने के कारण दक्षिण भारत के लोगों को मेसी को देखने के मौके से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'दक्षिण भारत के लोग हैदराबाद जाकर उन्हें देख सकते हैं। हैदराबाद के कार्यक्रम की बुकिंग एक सप्ताह के भीतर शुरू होगी। यह कार्यक्रम गाचिबोली या राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।' संशोधित कार्यक्रम के बारे में दत्ता ने कहा कि अहमदाबाद चरण की जगह हैदराबाद ने ली है। अहमदाबाद में होने वाला प्रायोजकों का कार्यक्रम अब मुंबई में होगा। उन्होंने कहा, 'मेसी 12 दिसंबर की मध्यरात्रि या 13 दिसंबर को तड़के पहुंचेंगे। वह मियामी से दुबई आकर एक या दो दिन आराम करेंगे जिसके बाद निजी जेट से कोलकाता आयेंगे।' इससे पहले वह 2011 में वेनेजुएला के खिलाफ एक मैत्री मैच के लिये भारत आये थे। इस बार उनके साथ उनके साथी खिलाड़ी लुईस सुआरेज और रौड्रिगो डि पॉल भी आ रहे हैं।

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान

ईश सोढ़ी की हुई वापसी

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। केन विलियमसन के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा की है। चयनकर्ताओं ने ज्यादा बदलाव नहीं किए हैं, लेकिन दो बड़े खिलाड़ियों- काइल जैमीसन और ईश सोढ़ी की टीम में वापसी हुई है। 35 वर्षीय विलियमसन ने हाल ही में टी20 फॉर्मेट को अलविदा कहा था, ताकि वे वनडे और टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित कर सकें। उनकी जगह अब टीम का नेतृत्व मिचेल सैंटनर करेंगे। न्यूजीलैंड की 14 सदस्यीय टीम में नेथन स्मिथ को भी शामिल किया गया है, जिन्हें अभी टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करना है। मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, 'काइल जैमीसन पूरी तरह फिट हैं और नेट्स में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। वहीं, ईश सोढ़ी हमारे सबसे अनुभवी टी20 खिलाड़ी हैं और उनकी वापसी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।' तेज गेंदबाज मैट हेनरी को सीरीज से आराम दिया गया है। हेनरी ने जिम्बाब्वे दौरे से अब तक हर मैच खेला है और अब उन्हें रिकवरी का मौका दिया गया है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ न्यूजीलैंड की टी20 टीम:

मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवॉन कॉनवे, जैक फॉल्क्स, काइल जैमीसन, डैरिल मिचेल, जिमी नीशम, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, टिम रॉबिन्सन, जैकब डफी, नेथन स्मिथ, ईश सोढ़ी।

सीरीज की शुरुआत 5 नवंबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में होगी।

रंजी ट्रॉफी: अर्जुन तेंदुलकर नहीं गोवा के लिए पहली पारी में इन बॉलर्स ने लिए ज्यादा विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025 में गोवा के खिलाफ पंजाब की टीम ने पहली पारी में 325 रन बनाए, लेकिन गोवा के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर अर्जुन तेंदुलकर नहीं रहे। पंजाब ने इस मैच में टॉस जीता था और पहले बैटिंग करने का फैसला किया था और इसके बाद उदय सहारन की कप्तानी पारी के दम पर टीम का स्कोर 300 के पार पहुंचा। पहली पारी में गोवा के लिए अर्जुन तेंदुलकर ने 27 ओवर गेंदबाजी की और इस दौरान उन्होंने 81 रन देकर एक विकेट लिया। अर्जुन ने इन 27 ओवर में 5 ओवर मेडन भी फेंके। गोवा के लिए पहली पारी में पंजाब के खिलाफ दर्शन मिसाल और धीरज गांवकर ने सबसे ज्यादा 3-3 विकेट हासिल किए जबकि मोहित को भी एक सफलता मिली जबकि ललित यादव ही एकमात्र ऐसे बॉलर रहे जिन्हें पहली पारी में कोई सफलता नहीं मिली।

टिम डेविड ने मारा इंटरनेशनल क्रिकेट इतिहास का सबसे लंबा छक्का

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होबार्ट में खेले जा रहे तीसरे टी20 मैच में टिम डेविड ने अपनी हिटिंग से दिल जीत लिया. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने सिर्फ 23 गेंदों में अर्धशतक लगाया. गजब की बात ये है कि टिम डेविड ने इंटरनेशनल क्रिकेट का सबसे लंबा छक्का भी लगाया.

टिम डेविड ने ये छक्का अक्षर पटेल के ओवर में लगाया. आपको ये जानकर हैरानी होगी कि टिम डेविड ने 110, 120 मीटर नहीं बल्कि 129 मीटर का छक्का जड़ा जो कि इंटरनेशनल क्रिकेट इतिहास का सबसे लंबा छक्का है. मेलबर्न टी20 में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने 124 मीटर का छक्का लगाया था लेकिन अब टिम डेविड उनसे भी आगे निकल गए हैं.

टिम डेविड का रिकॉर्डतोड़ छक्का

ऑस्ट्रेलियाई पारी के 7वें ओवर में टिम डेविड के सामने अक्षर पटेल आए. अक्षर पटेल ने टिम डेविड को फुल लेंग्थ गेंद फेंकी जिसे टिम डेविड ने गेंदबाज के सिर के ऊपर से दे मारा. गेंद होबार्ट स्टेडियम की छत पर गई और इस छक्के की दूरी 129 मीटर मापी गई. बता दें टिम डेविड ने अक्षर पटेल के ओवर में दो छक्के लगाए.

टिम डेविड का तूफानी अर्धशतक

टिम डेविड यहीं नहीं रुके. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अगले ओवर में शिवम दुबे की गेंदों की धुनाई कर दी. शिवम दुबे के ओवर में उन्होंने तीन चौके लगाए और ये खिलाड़ी महज 23 गेंदों में अर्धशतक तक पहुंच गए. हालांकि टिम डेविड को शिवम दुबे ने ही आउट किया. डेविड ने 38 गेंदों में 74 रन बनाए.

टिम डेविड का कमाल रिकॉर्ड

टिम डेविड ने अपनी इस पारी के दौरान एक खास रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. इस खिलाड़ी ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 100 छक्के पूरे किए. वो सबसे कम 931 गेंदों में 100 छक्के पूरे करने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बने. पूरी दुनिया में वो एविन लुईस के बाद दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने 789 गेंदों में 100 टी20 छक्के लगाए थे.

इंडिया-ए वर्सेस साउथ अफ्रीका-ए:

ऋषभ पंत शतक से चूके, 11 चौके और 4 छक्के ठोक उड़ाए साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों के परखच्चे

नई दिल्ली, एजेंसी। ऋषभ पंत ने चोट के कारण तीन महीने बाद मैदान पर शानदार वापसी की है। उन्होंने रविवार (2 नवंबर) को बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ अनऑफिशियल टेस्ट के चौथे दिन इंडिया ए की दूसरी पारी में शतक से चूक गए। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंडिया ए के कप्तान पंत 64 रन के स्कोर पर नाबाद थे। चौथे दिन शतक की ओर बढ़ते हुए 113 गेंदों पर 90 रन बनाकर आउट हो गए। पंत ने 11 चौके और चार छक्के लगाकर साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों के परखच्चे उड़ा दिए। टियान वैन वुरेन ने उनका विकेट लिया। इंडिया ए को 275 रन का लक्ष्य मिला है।

इंग्लैंड में पंत के पैर में चोट लग गई थी

इंग्लैंड में तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के दौरान पंत के पैर में चोट लग गई थी। जुलाई के आखिर में चौथे टेस्ट में रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में पेसर क्रिस वोक्स की गेंद उनके पैर पर लगी थी। चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें मैदान से बाहर एंबुलेंस से ले जाना पड़ा था। वह विकेटकीपिंग भी नहीं कर पाए। हालांकि, वह बल्लेबाजी के लौटे थे और जरूरत पड़ने पर दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी के लिए आने को तैयार थे।